दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-21 अंक-279 | सीहोर, रविवार 29 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

पंचतत्व में विलीन हुए डॉ.मनमोहन सिंह, निगम बोध घाट पर नम आंखों से दी गई विदाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अनेक नेता रहे उपस्थित।

नई दिल्ली (ए)। पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व विख्यात अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। तिरंगे झंडे में लिपटे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ निगम बोध घाट पर किया गया। उनकी बेटी ने मुखाग्नि दी। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता व सरकार के मंत्री मौजूद रहे। यहां लोगों ने जोर-जोर से अमर रहें के नारे गूंजे, जो मनमोहन सिंह के प्रति उनके अपार सम्मान और आदर को दर्शाता है। समारोह के दौरान 21 तोपों की सलामी भी दी गई, जो उनके देशभक्ति और सेवा के प्रतीक के रूप में देखी गई।अंतिम संस्कार से पहले तीनों सेनाओ व तीनों सेनाओ की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सलामी दी। निगमबोध घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर की तीनों सशस्त्र बलों के अधिकारियों ने मिलिट्री बैंड के साथ अगुवाई की। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों ने यहां पूर्व प्रधानमंत्री को सलामी दी।पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार दिल्ली के निगमबोध घाट पर सिख रीति रिवाज के अनुरूप किया गया। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी और बेटियां मौजूद रहीं।अंतिम संस्कार के दौरान परिसर में 'डॉ मनमोहन सिंह अमर रहे' 'डॉ साहब अमर रहे' के नारे गूंजते रहे। पूर्व प्रधानमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आज डॉ मनमोहन सिंह को अंतिम विदाई दी, डॉ मनमोहन सिंह की विनम्रता, मार्गदर्शन और देश के लिए उनका योगदान इतिहास के पन्नों में सदा जीवित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री पद्म विभूषण स्व. सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की

मणिपुर में फिर हिंसा : गोलीबारी और बमों से गांव पर किया अटैक, सीएम बोले-ये शांति और सद्भाव पर हमला

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर के इंफाल ईस्ट के गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और अचानक गोली बारी करने लगे। इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि इम्फाल ईस्ट के सनसाबी और थमनापोकपी में कुकी उग्रवादियों की ओर से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना में कई नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। राज्य के निर्दोष लोगों पर इस तरह गोलीबारी की घटना बेहद कायरतापूर्ण है। बिना किसी कारण के किया गया ये हमला शांति और सद्भाव पर हमला है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी से प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को जरूरी सहायता मिल रही है और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और एकता का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस के बीच उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए। ईंफाल ईस्ट जिले एक अधिकारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे। उन्होंने लोगों को घरों पर बमबारी भी की। मौके पर सुरक्षा बलों पहुंचे और उन्होंने जवाबी कार्रवाई की। इस स्थिति में वहां मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना स्थल पर अफरा तफरी मच गई। फिलहाल, इस घटना में किसी के जान जाने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोग और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं।

किसान नेता डल्लेवाल ने इस दिन खनौरी बॉर्डर पर बुलाई महापंचायत, लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 4 जनवरी को खनौरी बॉर्डर पर एक विशाल महापंचायत बुलाई है। इस महापंचायत में लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, डल्लेवाल ने कहा कि वह 4 जनवरी को मंच से किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 30 दिसंबर को पंजाब बंद का आह्वान को व्यापक समर्थन मिल रहा है।

आज सुप्रीम कोर्ट में किसान आंदोलन से जुड़े एक मामले की सुनवाई हुई। हालांकि, केंद्र सरकार के वकील की तबीयत खराब होने के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो पाई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को किसानों के साथ बातचीत करने के लिए कहा है।

डल्लेवाल ने सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार किसानों की मांगों को अनदेखा कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान सरकार को जगाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी खनौरी बॉर्डर पहुंचे और उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल से मुलाकात की।

पत्नी-बेटे का किया मर्डर, फिर मां-बाप को चाकू से गोदा; पढ़े ये दिल दहला देने वाला मामला

सूरत (आरएनएस)। गुजरात के सूरत में एक दिल दहलाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या कर दी और अपने माता-पिता पर जानलेवा हमला किया। यह घटना शहर के सरथाना इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी स्मिथ गियानी ने पारिवारिक विवाद के चलते यह खौफनाक कदम उठाया। उसने अपने परिवार के सदस्यों पर चाकू से हमला किया। हमले में उसकी पत्नी और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी ने हमले के बाद खुद को भी चोट पहुंचाई, लेकिन उसे बचा लिया गया।

जम्मू-कश्मीर में जमी बर्फ जन जीवन प्रभावित, देश के कई राज्यों में हुई बारिश

नई दिल्ली,(ए)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और तनमार्ग में बर्फबारी में फंसे 68 पर्यटकों को शुक्रवार देर रात सेना ने रेस्क्यू कर निकाला। मीडिया रिपोर्ट में सेना ने बताया कि अचानक हुई भारी बर्फबारी और सड़कों के बंद होने से 30 महिलाएं आठ बच्चे समेत 68 लोग घाटी में फंस गए थे। उन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। उनका वहां उपचार भी किया जा रहा है। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह हाईवे और मुगल रोड बंद हो गया। श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर करीब दो हजार वाहन फंस हुए हैं। भारी बर्फबारी के कारण शनिवार सुबह श्रीनगर एयरपोर्ट पर 80 फीसदी उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं घने कोहरे के चलते दिल्ली में 14 ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

शुक्रवार को दिल्ली में 24 घंटे में शहर में 9.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह पिछले 15 साल में दिसंबर में होने वाली सबसे ज्यादा बारिश हुई। वहीं, राजस्थान के

-श्रीनगर-लेह हाईवे बंद

अजमेर में भी दिसंबर महीने में पिछले 24 घंटे में 21.4 मिमी से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। यह पिछले 14 साल में दिसंबर की सबसे ज्यादा है। यूपी के मुजफ्फरपुर में तेज बारिश से एक मकान ढह गया, जिससे एक महिला की मौत हो गई। बारिश और ठंड के कारण गाजियाबाद-मेरठ में 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। शुक्रवार को मध्यप्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई।

भोपाल में तेज बारिश के साथ ओले गिरे

भोपाल (ए)। मप्र में ओले-बारिश का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को भोपाल में बारिश के साथ ओले भी गिरे। शुक्रवार को रतलाम, मंदसौर, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। शनिवार को भी ऐसा ही मौसम रहा। बारिश की वजह से रायसेन के दशहरा मैदान में ट्रैक्टर ट्रॉलियों में धान लेकर आए किसान परेशान रहे। रात भर किसान तिरपाल पकडक़र बैठे रहे, ताकि धान को खराब होने से बचा सकें। वहीं, रीवा के करहिया और जबलपुर में भी सैकड़ों बोरी धान-गेहूं बारिश में भीग गया है।

खंडवा के भामगढ़ के राम मंदिर में आग लगी

खंडवा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के भामगढ़ स्थित श्री राम मंदिर में शुक्रवार की देर रात आग लग गई। मंदिर में आग लगने के बाद पहले ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन, जब आग नियंत्रित नहीं हुई तो फायर ब्रिगेड की मदद ली गई।जानकारी के अनुसार, भामगढ़ में लगभग 500 साल पुराना श्री राम मंदिर है। इस मंदिर में शुक्रवार की देर रात को अचानक आग लग गई, महज कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। ग्रामीणों ने काफी देर तक आग बुझाने की कोशिश की, मगर उनके प्रयास सफल नहीं हुए। परिणाम स्वरूप फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलाना पड़ी और शनिवार की सुबह तक इस आग पर काबू पाया जा सका।

संदीप दीक्षित की शिकायत के बाद एलजी ने पुलिस कमिश्नर को दिए जांच के आदेश, मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने बीते दिनों पंजाब पुलिस पर जासूसी का आरोप लगाया था। इसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को निगरानी संबंधी आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं।पंजाब के खुफिया अधिकारियों की मौजूदगी के आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय ने पुलिस आयुक्त को मामले की जांच करने और तीन दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।संदीप दीक्षित ने पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों पर बार-बार उनके आवास पर आने और उनके घर के बाहर अपने वाहन पार्क करने का आरोप लगाया है। एलजी कार्यालय ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, यह पूर्व सांसद संदीप दीक्षित से संबंधित विषय है। उन्होंने पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों द्वारा कथित तौर पर उनके आवास पर आने और उनके घर के बाहर अपने वाहन पार्क करने के बारे में गंभीर चिंता जताई है। दीक्षित ने दावा किया कि ये कार्रवाइयां आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर की जा रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यह उन्हें डराने और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने से हतोत्साहित करने का प्रयास हो सकता है।मामले का संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल ने विशेष रूप से आगामी चुनावों के मद्देनजर निष्पक्ष लोकतांत्रिक माहौल सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है, माननीय उपराज्यपाल ने आरोपों की गंभीरता पर गौर किया है। विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह आवश्यक है कि संभावित उम्मीदवारों को किसी भी तरह की धमकी या दबाव का सामना न करना पड़े, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी में बाधा उत्पन्न हो।

शादी समारोह में भड़क गए पंडित जी, 'दूल्हे के दोस्तों' पर फेंक मारी थाली

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक शादी समारोह में पंडित जी का गुस्सा देखने को मिला जब मेहमानों ने फेरों के दौरान मस्ती करते हुए उन पर फूल फेंके। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वीडियो में देखा जा सकता है कि पंडित जी विवाह मंत्र पढ़ रहे हैं और इसी दौरान मेहमान वर-वधू पर फूलों की वर्षा कर रहे हैं। कुछ फूल पंडित जी पर भी गिरते हैं। इस पर पंडित जी गुस्से में आ जाते हैं और थाली फेंककर मेहमानों की तरफ बढ़ जाते हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने खुद को संभाला।यह घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग इस घटना पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कुछ लोग पंडित जी के गुस्से को सही ठहरा रहे हैं तो कुछ लोग मेहमानों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

तीसरी बेटी होने पर पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, आग की लपटों में घिरी सड़क पर दौड़ी महिला

परभणी (आरएनएस)। परभणी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया। घटना रात करीब 8 बजे की है, जब आरोपी ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की लपटों में घिरी महिला को सड़क पर भागते हुए देखा गया, जहाँ कुछ लोगों ने पानी और चादर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना का CCTV फुटेज अब सामने आया है, जो इस भयावह घटना की गवाही देता है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी कुंडलिक काले परभणी के फ्लाई ओवर इलाके में अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ रहता था। कुछ दिन पहले ही वह तीसरी बार पिता बना था, और इस बार भी बेटी होने के कारण वह अपनी पत्नी से नाराज़ था। पहले से ही उसकी दो बेटियां थीं।मृतक महिला की बहन ने पुलिस थाने में कुंडलिक काले के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कुंडलिक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मृतक महिला की बहन का बयान दर्ज कर लिया गया है और मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तीसरी आंख

जन्मदिन पार्टी के दौरान एक की मौत, पुलिस पर गोली चलाने का आरोप

सासाराम (आरएनएस)। बिहार के रोहतास के नगर थाना क्षेत्र में पुलिस और युवकों के बीच हुई झड़प में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य युवक घायल हो गए। इस मामले में पुलिस पर गोली चलाने का आरोप लग रहा है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की देर रात कुछ युवक नगर थाना क्षेत्र के एक निजी कैंपस में एक मित्र की जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे। सभी युवक पार्टी के मूड में थे। इसी दौरान यातायात डीएसपी आदिल बिलाल अन्य पुलिसकर्मियों के साथ वहां पहुंच गए और युवकों से उन्होंने पूछताछ शुरू कर दी। यातायात पुलिस के होने के कारण युवकों ने भी उनके आने को लेकर सवाल उठा रहे थे। इसी बीच दोनों ओर से कहासुनी शुरू हो गई। पुलिस पर आवेश में आकर गोली चलाने के आरोप लग रहे हैं। गोलीबारी में मारे गए शख्स की पहचान शिवसागर निवासी राणा ओम प्रकाश सिंह उर्फ बादल कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के एक अधिकारी शनिवार को बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है।

मध्यप्रदेश में जिला एवं राज्य स्तरीय ओलम्पिक खेल किए जाएंगे आयोजित : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

सरकार करेगी खेल संघों के साथ मिलकर खेल और खिलाड़ियों की विकास जरुरतें पूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव म.प्र. ओलम्पिक संघ की वार्षिक साधारण सभा में हुए शामिल

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेल, शिक्षा का ही एक अभिन्न हिस्सा है। खेल और खिलाडियों का विकास हमेशा ही हमारी सरकार की प्राथमिकता में रहा है। सरकार इनके विकास में कोई कसर नहीं रखेगी। इनकी हर जरुरत पूरी की जायेगी। हम खेल संघों के साथ मिलकर योजना बनाकर काम करेंगे, जिससे प्रदेश से अधिक से अधिक खेल प्रतिभा नेशनल और इंटरनेशनल गेम्स के लिये निकलकर आयें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार जिला स्तरीय ओलम्पिक संघो के साथ समन्वय कर जिला स्तरीय ओलम्पिक गेम्स आयोजित करने की ओर कदम बढ़ायेगी। जिला स्तरीय ओलम्पिक गेम्स में चयनित खिलाडियों के प्रोत्साहन के लिए राज्य स्तरीय ओलम्पिक गेम्स (स्टेट ओलम्पिक) आयोजित किए जाएंगे। खेल विभाग इसकी विधिवत कार्ययोजना बनायेगा। सबसे सुझाव लेकर ही सरकार इस दिशा में आगे बढेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश ओलम्पिक संघ की वार्षिक साधारण सभा की बैठक (एजीएम) को संबोधित कर रहे थे। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग,

सांसद खजुराहो एवं मप्र ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश मेंदोला, पदाधिकारी दिग्विजय, रोहिणी गुप्ता सहित संघ के अन्य सभी पदाधिकारी, सदस्यगण एवं खेल विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय ओलम्पिक खेलों के आयोजन से प्रदेश की ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को भी आगे आने का सुनहरा मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग, मेडिकल एजुकेशन, टेक्निकल एजुकेशन में अध्ययनरत विद्यार्थियों की रुचि के खेलों और खेल मैदानों के विकास के लिए समन्वित प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के लिए यह एक नई शुरुआत है। हमारी सरकार हर खिलाड़ी को प्रोत्साहन और जरूरी सुविधाएं प्रदान करेगी। खेल केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि यह अनुशासन, सामूहिकता और नेतृत्व की भावना विकसित करता है। उन्होंने कहा कि इन खेलों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा, जिससे खेलों में मध्यप्रदेश का नाम रोशन होगा। खेल मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए खेल, खिलाड़ी और खेल मैदानों का विकास बेहद जरूरी है। हमारी सरकार ने पूरे समर्पण के साथ इस क्षेत्र में काम किया है। यह काम आगे भी इसी गति से जारी रहेगा। खेल संघों के साथ मिलकर सरकार खेलो एमपी गेम्स आयोजित किए जाएंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं एक सफल खिलाड़ी रहे हैं। वे खिलाडियों की जरूरत को समझते हैं।

नये साल के वेलकम को लेकर शहरवासियों और पुलिस ने की तैयारी

भोपाल(संदीप पंडा)। नये साल के आगमन में दो दिनो की दूरी बची है, आने वाले साल के वेलकम के लिये जहॉ शहरवासियो का उत्साह बढ़ता जा रहा है, वहीं इसे मनाने के लिये जोर-शोर से तैयारियां भी जारी है। 31 दिसंबर को होटल, पब, रेस्टोरेंट, ढाबों पर नए साल का जश्न मनाया जाएगा। नए साल के अवसर पर शांति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस पुलिस विभाग ने भी अपनी तैयारिया पूरी कर ली है। अधिकारियो के अनुसार नए साल के मौके पर जोश में हुड़दंग करने वालो पर पुलिस की नजर रहेगी और इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। कई लोग न्यू ईयर पर सेलिब्रेट करने सड़कों पर निकलते है, जिसे देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था पुख्ता की गई है। इस दौरान ड्रिंक एन ड्राइव और तेज स्पीड से वाहन चलाने वालो पर खास नजर रखी जाएगी। सभी थानों का पुलिस बल सड़कों

पर तैनात रहकर व्यवस्था संभालेगा, जरूरत पडने् पर चौकियां पर चैकिंग की जाएगी। अफसरो का कहना है कि पुलिस का उद्देश्य है, कि लोगों को सेलिब्रेशन में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही 31 दिसंबर की रात होटलों,बार,क्लब, पब, रैस्टोरेंट, समेत अन्य मनोरंजनगृहों के बाहर पुलिस टीम मुस्तैद रहेंगी। साथ ही भीड़-भाड़ वाले इलाको, बाजारों, घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये है।

भवन निर्माण सामग्री फैलाने वालों व ग्रीन नेट न लगाने के 06 प्रकरणों में 08 हजार 500 रुपये का स्पॉट फाईन

भोपाल (आरएनएस)। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री सड़कों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता एवं शहर की स्वच्छता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री, सड़कों सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवन पर ग्रीन नेट न लगाने वालों सहित साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की और सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 06 प्रकरणों में 08 हजार 500 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम अमले ने कुल 113 प्रकरणों में 30 हजार 750 रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम प्रशासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

भोपाल, (आरएनएस)। शनिवार को एक नवविवाहिता की मौत के बाद हंगामा हो गया। शव के पोस्टमार्टम के दौरान महिला के मायके और ससुराल वालों के बीच तनाव बढ़ गया। पुलिस ने आकर स्थिति संभाली।लालघाटी इलाके की जैन कॉलोनी में रहने वाली आरती दुबे (28) की शुक्रवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। ससुराल वालों का कहना है कि उसने फांसी लगा ली।

जबकि मायके वालों ने पति पर गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। हमीदिया अस्पताल की मर्चुरी के बाहर ससुराल और मायके पक्ष के बीच महिला के अंतिम संस्कार को लेकर भी विवाद हुआ। हालांकि, बाद में बॉडी मायके वालों के सुपुर्द कर दी गई।इंग्लिश में एमए आरती छतरपुर के बड़ामलहरा की रहने वाली थीं। उनके भाई रामप्रकाश चतुर्वेदी ने बताया कि वे 6 बहनों में 5वें नंबर की थीं। इसी साल 22 अप्रैल को उनकी शादी भोपाल में की थी। लड़के वालों ने 20 लाख रुपए की डिमांड की थी। हमने 15 लाख रुपए कैश दिए थे। 5 लाख रुपए बाद में देना तय हुआ था।रामप्रकाश के मुताबिक, हम 5 लाख रुपए देने के लिए जमीन बेचने की तैयारी कर रहे थे। इधर, बहन के ससुराल वाले लगातार रकम देने का दबाव बनाते रहे। इसी बात को लेकर जीजा आरती को प्रताड़ित करता था। उसकी एक ननद भी उसे ताना दिया करती थी। आरती कई बार फोन पर इस बात का जिक्र कर चुकी थी। भाई रामप्रकाश ने बताया कि आखिरी बार गुरुवार रात आरती की छोटी बहन से फोन पर बात हुई थी। तब भी उसने बताया था कि जीजा बहुत परेशान कर रहे हैं। ये लोग मुझे जीने नहीं देंगे। पिता ने भी उससे बात की थी। उन्होंने आरती को भरोसा दिया था कि रात गुजार लो सुबह हम लेने आ रहे हैं।

शुक्रवार सुबह उसकी ननद ने फोन पर बहन की मौत की सूचना दी। मर्चुरी में बॉडी को देखा तो उस पर चोटों के निशान हैं। हमें फांसी लगाने की बात बताई जा रही है। हमें शक है कि उसकी हत्या गला घोंटकर की गई है। थाना प्रभारी बृजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ससुराल वालों ने फांसी लगाकर सुसाइड की बात बताई है। महिला के गले में दुपट्टे से बना फंदा भी मिला। नव विवाहिता से जुड़ा मामला होने के कारण एसीपी केस की जांच करेंगे।

किसानों ने कहा-फसलें लहलहाएंगी, पलायन रुकेगा

भोपाल (ए.)। देश की पहली अति महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में फसलें लहलहाएंगी और पलायन रुकेगा। वहां के बहुत से गांवों के निवासियों को, जो पानी की कमी के चलते काम की तलाश में समीपवर्ती राज्यों में पलायन कर जाते थे, अब उन्हें अपना घर - गांव छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। खेतों में पर्याप्त पानी होगा तो वे वर्ष भर फसल ले सकेंगे। यह किसानों के लिए किसी सपने के पूरे हो जाने से कम नहीं होगा और इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिल से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हैं। सटई गांव के किसान मुन्ना असाटी बताते हैं उनका क्षेत्र कम वर्षा के कारण सूखाग्रस्त है और इस कारण वहां के किसान मुश्किल से एक फसल ले पाते हैं। समीप के गांव कुंदरपुरा, जो जनजातीय बहुल ग्राम है, के तो 90 प्रतिशत निवासी काम की तलाश में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब चले जाते हैं। गांव में पानी आ जाने से न केवल वे खेती कर पाएंगे बल्कि अपने घर में रह पाएंगे, मां-बाप की देखभाल कर पाएंगे, बच्चों को पढ़ा पाएंगे। ग्राम सिमरा पनिहार के कृषक बल्दू केवट, रामनारायण दुबे और हकीमपुरा के रामेश्वर अहिरवार बताते हैं कि अभी वे वर्ष भर में पानी की कमी के चलते केवल एक फसल ले पाते हैं। परियोजना से खेतों में पानी आएगा तो वे वर्ष में तीन फसल ले पाएंगे। पर्याप्त आमदनी होने से परिवार का लालन-पालन भी ढंग से हो पाएगा। ग्राम टिकरी के किसान बृज गोपाल अवस्थी, ग्राम जटकारा के प्रकाश पंडित, ग्राम बृजपुरा के आसाराम साहू और भवानी दीन मिश्रा बताते हैं कि कम बारिश के कारण क्षेत्र में भू-जल स्तर भी बहुत नीचे चला गया है। कुआं खुदवाओ तो पानी बहुत नीचे मिलता है। बरसात के थोड़े दिनों के बाद यहां के सारे स्टॉप डैम भी सूख जाते हैं, जिससे सिंचाई के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं रहता।

विविध-समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पटवा की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा का प्रदेश के विकास और जन-कल्याण के प्रति संकल्प एवं समर्पण हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। जन हित के बारे में उनका प्रखर विचार प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पद्म विभूषण पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पटवा की पुण्य-तिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक सुरेंद्र पटवा के 74 बंगला स्थित निवास पहुंच कर पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पटवा को नमन किया।

07732/07733 काचीगुड़ा-अजमेर-काचीगुड़ा स्पेशल ट्रेन

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा अजमेर उर्स के दौरान अतिरिक्त यातायत क्लियर करने एवं श्रद्धालुओं/यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 07732/07733 काचीगुड़ा-अजमेर-काचीगुड़ा स्पेशल ट्रेन 01-01 ट्रिप चलाई जा रही है, जो भोपाल स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी। गाड़ी संख्या 07732 काचीगुड़ा-अजमेर स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 जनवरी 2025 को काचीगुड़ा स्टेशन से रात 23.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 23.10 बजे भोपाल और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 14.30 बजे अजमेर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07733 अजमेर-काचीगुड़ा स्पेशल ट्रेन दिनांक 08 जनवरी 2025 को अजमेर स्टेशन से 19.05 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 09.50 बजे भोपाल और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 10.00 बजे काचीगुड़ा पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में मलकाजगिरि, बोलारम, मेडचल, कामारेड्डी, निजामाबाद, बासर, धर्माबाद, उमरी, मुडकहेड़, नांदेड़, पूर्णा, बसमत, हिंगोली, वाशीम, अकोला जंक्शन, मलकापुर, बुरहानपुर, खंडवा, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना

इस विशेष ट्रेन में 17 वातानुकूलित कुर्सीयान सहित कुल 19 डिब्बे रहेंगे। यात्रा प्रारंभ करने से पहले रेलवे द्वारा अधिकृत पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

अब तक खरीदी गई 21 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान

भोपाल (ए)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 3 लाख 22 हजार 89 किसानों से 21 लाख 22 हजार 901 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान की खरीदी के लिये 1393 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। धान का उपार्जन 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। धान की खरीदी जिला पन्ना में 58,454, दमोह 39,670, सागर 7459, शहडोल 1 लाख 1 हजार 43, अनूपपुर 46,208, उमरिया 62,732, रीवा 2 लाख 17 हजार 77, सतना 2 लाख 35 हजार 687, सिंगरौली 80,259, सीधी 60,754, मऊगंज 54,919, मैहर 79,120, सीहोर 13,100, रायसेन 17,536, विदिशा 676, नर्मदापुरम 78,046, बैतूल 20,725, हरदा 349, कटनी 2 लाख 21 हजार 154, बालाघाट 2 लाख 75 हजार 776, मंडला 1 लाख, 9 हजार 759, नरसिंहपुर 45,363, सिवनी 1 लाख 13 हजार 95, जबलपुर एक लाख 60 हजार 922, डिंडोरी 17,699, छिंदवाड़ा 4719, भिण्ड 398, शिवपुरी 138, अलीराजपुर 47 और झाबुआ जिले में 17 मीट्रिक टन की जा चुकी है।

युवाओं के सपनों को साकार कर रही है प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना

भोपाल (ए)। देश के निर्माण में युवाओं की योजना भूमिका सबसे अहम है। इसी सोच को साकार करने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की है। यह योजना युवाओं को डिग्री से आगे बढ़कर व्यावसायिक अनुभव और कौशल विकास का अनमोल अवसर देती है, जिससे वे अपने कैरियर में एक मजबूत कदम रख सकें। आज के दौर में जहां व्यावहारिक ज्ञान सबसे बड़ी जरूरत बन गया है, यह योजना युवाओं को इंडस्ट्री की मांगों के अनुरूप तैयार कर रही है। इसका उद्देश्य है युवाओं को सशक्त बनाना और देश के आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में सतना के आयुष पांडे ने अपने कैरियर की नई शुरुआत की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र आयुष ने ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (नागदा) में इंटर्नशिप के दौरान अपने कौशल को निखारते हुए आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास पाया। आयुष पांडे ने अपने मन की बात बताते हुए कहा कि इस योजना ने मेरे करियर को एक नई दिशा दी। इससे मुझे व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी क्षमता को बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला। आयुष की यह प्रेरक यात्रा हर उस युवा के लिए मिसाल है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत कर रहा है।

07119/07120 तिरुपति-मदार-तिरुपति स्पेशल ट्रेन

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा अजमेर उर्स के दौरान अतिरिक्त यातायत क्लियर करने एवं श्रद्धालुओं/यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 07119/07120 तिरुपति-मदार-तिरुपति स्पेशल ट्रेन 01-01 ट्रिप चलाई जा रही है, जो भोपाल स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी। गाड़ी संख्या 07119 तिरुपति-मदार स्पेशल ट्रेन दिनांक 02 जनवरी 2025 को तिरुपति स्टेशन से सुबह 07.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 15.50 बजे भोपाल और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 05.15 बजे मदार स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 07120 मदार-तिरुपति स्पेशल ट्रेन दिनांक 09 जनवरी 2025 को मदार स्टेशन से सुबह 04.00 बजे प्रस्थान कर, उसी दिन 18.40 बजे भोपाल और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन रात 23.00 बजे तिरुपति पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में रेनीगुंटा, कडप्पा, यर्रगुंटला, तडीपत्र, गूटी, धोने, कुर्नूल टाउन, गडवाल, महबूबनगर, शादनगर, काचिगुडा, चेरलापल्ली, काजीपेट, पेद्दापल्ली, मंचेरियल, बेल्लमपल्ली, सिरपुरकागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, अमला, भोपाल, उज्जैन, रतलाम , मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़ , भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, मदर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना

इस विशेष ट्रेन में 9 शयनयान श्रेणी, 8 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, एवं 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी सहित कुल 22 डिब्बे रहेंगे। यात्रा प्रारंभ करने से पहले रेलवे द्वारा अधिकृत पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

विज्ञान मेला के दूसरे दिन नवाचार और विज्ञान शिक्षकों से सम्बंधित कार्यशालाओं पर फोकस रहा, सीखी विज्ञान शिक्षा और नवाचार की बारीकियां

देश के आर्थिक विकास के लिए नवाचार एवं शोध का कमर्शिलाइजेशन आवश्यक है : विवेक कुमार

विज्ञान आधारित नुक्कड़ नाटक, अगरिया जनजाति द्वारा लोहा बनाने की तकनीकी में रही भीड़

भोपाल (निप्र)। भोपाल में आयोजित 11वें विज्ञान मेले का दूसरा दिन ज्ञान, संवाद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नवाचारों से परिपूर्ण रहा। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थी संवाद सत्र के साथ हुई। जिसमे मुख्य वक्ता डॉ. सुनील चतुर्वेदी थे। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों और वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना था। डॉ. सुनील चतुर्वेदी ने विज्ञान को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ते हुए छात्रों को बताया कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने विज्ञान को अज्ञात से ज्ञात की ओर यात्रा के रूप में परिभाषित किया और बताया कि विज्ञान का उद्देश्य नई खोजों और नवाचारों के माध्यम से मानव जीवन को सरल और बेहतर बनाना है। उन्होंने छात्रों को बताया कि कैसे शोध हमारे भविष्य को आकार देता है और विज्ञान के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए 18वीं शताब्दी तक के महत्वपूर्ण वैज्ञानिक घटनाक्रमों की जानकारी दी। छात्रों ने विज्ञान से जुड़े कई रोचक सवाल पूछे, जिनका डॉ. चतुर्वेदी ने सरल और सटीक भाषा में उत्तर दिया। सत्र के दौरान भूमिगत जल संरक्षण पर विशेष चर्चा हुई, जिसमें डॉ. चतुर्वेदी ने अपने शोध कार्यों का अनुभव साझा किया। उन्होंने छात्रों को यह समझाया कि विज्ञान केवल तथ्य नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है, जो हमें समस्याओं को हल करने की दिशा में प्रेरित करता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक

रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा साइकिल की चेन नामक नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ। इस नाटक में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, समाज कल्याण और विज्ञान से जुड़े मुद्दों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक में संगीत और संवाद का अत्यंत सुंदर संयोजन था, जिसने उपस्थित दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया।

विशेष व्याख्यान सत्र

मेले के अंतर्गत बाबूलाल गौर महाविद्यालय भोपाल में एन आई एफ के वैज्ञानिक डॉ. विवेक कुमार ((National Innovation Foundation, India) ने ग्रासरूट इनोवेशन्स की स्काउटिंग और डॉक्यूमेंटेशन पर एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने NIF (नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन) की भूमिका को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह संगठन नवप्रवर्तकों ((Innovators को न केवल तकनीकी बल्कि आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है।

पश्चिम मध्य रेलवे में आयोजित फ्रेट कस्टमर मीटिंग

भोपाल (निप्र)। शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में जबलपुर मंडल के प्रमुख फ्रेट लोडिंग करने वाले सम्माननीय ग्राहकों के साथ फ्रेट कस्टमर मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें वर्तमान समय में फ्रेंट इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों में रेल की भूमिका और इससे रेल द्वारा किस प्रकार से अधिकतम लदान प्राप्त किया जा सकता है, से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। मीटिंग प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक जी. एम. सिंह की अध्यक्षता एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कुशाल सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुयी। मुख्य मालभाड़ा यातायात प्रबंधक अनुराग पटेरिया द्वारा मीटिंग का संचालन किया गया। मीटिंग में जबलपुर मंडल के विभिन्न मालगोदामों एवं साइडिगों से लदान करने वाले कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित हुये जिसमें मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट से के.पी. सिहं, कोयला लदान हेतु नवनिर्मित जीसीटी मेसर्स पॉसून इंडस्टी से मनोज बाजपेयी एवं मेसर्स अडानी पॉवर से राहुल पांडे तथा मेसर्स जेपीवीएन से पीयूष शर्मा, आयरन ओर के प्रमुख लदानकर्ता वरुण गौतम एवं रूपेंद्र, फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया के ओ पी संग्राम, जुपिटर वैगन लिमिटेड से अभिषेक जायसवाल एवं अन्य की उपस्थिति रही। प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक जी एम सिंह द्वारा उपस्थित सभी सम्मनीय ग्राहकों का स्वागत करते हुये चर्चा आंरभ की और उन्होनें वर्तमान में रेलवे के मालभाडा में पिछले वर्ष की तुलना में कमी होने के कारण वित्त वर्ष के शेष महीनों में इस कमी को पूरा करने का अनुरोध किया। कोयला लदान करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया कि वह कोयला लदान की क्षमता में वृद्धि कर रहे हैं, जिससे पश्चिम मध्य रेल को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। वर्तमान में पश्चिम मध्य रेल से लदान होने वाली वस्तुओं में कोयले की प्रमुख भूमिका है। मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रतिनिधि के पी सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि अल्ट्राटेक कंपनी द्वारा बाजार की मांग के अनुरूप विभिन्न प्लांटों में अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है जिसमें जबलपुर डिविजन के अंतर्गत मैहर प्लांट में भी अपग्रेडेशन कार्य प्रगति पर है तथा इसके पूर्ण होते ही लदान में और वृद्धि होगी तथा अनुरोध किया कि सीधी प्लांट से जल्द कनेक्टिविटी प्रदान की जाये जिससे प्लांट से रेलवे के माध्यम से लदान आरंभ किया जा सके। श्री सिंह द्वारा बताया गया कि सीमेंट इंडस्टी द्वारा सरकार की पर्यावंरण संरक्षण नीतियों के अनुरूप रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए उचित मोडीफिकेशन किये जा रहे है। मेसर्स जुपिटर वैगन की ओर से उपस्थित प्रतिनिधि अभिषेक जायसवाल द्वारा अवगत कराया गया कि देवरी साइडिंग में कंटेनर निर्माण का नया कार्य प्रारंभ किया गया है इससे पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल को नया यातायात प्राप्त होगा जिसके लिये उनके द्वारा उचित सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। इस पर मुख्य माल भाडा यातायात प्रबंधक द्वारा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में वर्तमान में आयरन ओर यातायात में भारी कमी के कारणों के संबंध में उपस्थित आयरन ओर की लोडिंग करने वाले प्रमुख कंपनी प्रतिनिधि रूपेंद्र, विनोद चैधरी, वरुण गौतम से चर्चा की। उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में विभिन्न स्टील प्लांटों में अपग्रेडेशन का कार्य चलने के कारण स्थानीय मांग में कमी है और चीन की तरफ से भी मांग में कमी होने के कारण एक्सपोर्ट यातायात भी कम हो रहा है जिसके कारण वर्तमान वर्ष में आयरन ओर का लदान गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक द्वारा इसे आगामी माह में बढाने का अनुरोध किया गया जिस पर उन्होंने निकट भविष्य में लदान बढ़ाने का आश्वासन दिया। एफसीआई के प्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया कि सरकारी नीतियों के कारण इस वर्ष लदान में कमी है किंतु अगले 2 से 3 महीने में ज्यादा लदान होने की संभावना है । सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न हुयी इस मीटिंग में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कुशाल सिंह ने फ्रेट ग्राहकों को आश्वस्त किया कि लदान बढाने के प्रयासों में उन्हें सभी तरह से यथासंभव सहायता प्रदान की जाएगी साथ ही उन्होंने मंडल के अधिकारीयों को भी निर्देशित किया कि जहॉ कहीं व्यावहारिक हो वहॉ आवश्यक स्टेकिंग की अनुमति प्रदान करें। मीटिंग में मुख्य माल भाडा प्रबंधक अजय प्रकाश द्वारा लोडिंग बढाने के प्रयासों के तहत आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के संबंध में उपस्थित प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया गया जिसके प्रत्युत्तर में उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा रेलवे द्वारा प्रदान किये गये सहयोंग की प्रसंशा की और आगामी समय में और अधिक लदान कर रेलवे के माल लदान के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

आदिवासियों की बीमारी ठीक होने का लालच देकर बना रहे थे ईसाई, हंगामा हुआ तो 10 लोगों पर मामला दर्ज

बुरहानपुर (ए.)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम केरपनी में धर्मांतरण किए जाने का बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां रहने वाले एक आदिवासी के घर, एक बड़ा पांडाल लगाकर ईसाई धर्म की प्रार्थना कराई जा रही थी। साथ ही आदिवासियों को हिंदू धर्म का नहीं होने और ईसाई धर्म अपनाने का लालच देते हुए, ईसाई धर्म अपनाने से बीमारियों के ठीक होने का बताया जा रहा था। वहीं मामले की जानकारी लगते ही धार्मिक संगठन बजरंग दल से जुड़े कुछ युवा और गांव के कई लोग वहां पहुंचे थे, जिसके बाद हंगामे की स्थिति बनी। इस दौरान मौके पर नेपानगर थाना पुलिस भी पहुंची, जहां बजरंग दल के सदस्यों ने गांव में धर्म परिवर्तन के आरोप लगाए। तो वहीं पंडाल में मौजूद ईसाई धर्म के लोगों ने अपने साथ मारपीट होने के आरोप भी लगाए थे। हालांकि इस बीच सभी को नेपानगर थाना लाया गया, जहां एक शिकायती आवेदन मिलने पर खंडवा, बुराहनपुर और नागपुर जिलों के 10 लोगों के खिलाफ, धर्म परिवर्तन कराने से जुड़ा मामला दर्ज किया गया है और अब इस मामले की जांच की जा रही है।

ईसाई धर्म अपनाने से बीमारी होगी ठीक

इस मामले में ग्राम गोलखेड़ा के बलिराम किराड़े ने धर्मांतरण किये जाने का आरोप लगाते हुवे, इस पर कार्रवाई करने का एक आवेदन भी नेपानगर पुलिस को सौंपा है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उन्हें मालूम चला था कि ग्राम केरपनी के शांतिलाल बडोले के घर ईसाई धर्म की प्रार्थना का कार्यक्रम चल रहा है। जहां पर बीमार लोग ईसाई धर्म की प्रार्थना करते हैं, और वे हिन्दू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाते हैं, तो उनकी बीमारी ठीक हो जाती है। अपनी पेट दर्द की बीमारी के चलते उन्होंने वहां जाकर देखा तो, एक बड़े पंडाल में लोगों की भीड़ थी और माइक पर ईसाई धर्म के गीत गाये जा रहे थे। साथ ही वहां ईसाई धर्म अपनाने के फायदे बताये जा रहे थे और कुछ बाहरी लोग ईसाई धर्म परिवर्तन करने का लालच दे रहे थे। जिन्होंने बलिराम को भी हिन्दू धर्म से ईसाई धर्म अपनाने का लालच दिया था। साथ ही धर्म परिवर्तन कराने वालों का कहना था कि आदिवासी हिन्दू धर्म में नहीं आते हैं, जिसे देख उन्होंने अपने साथियों के साथ धर्मातरण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आवेदन दिया है ।

बाहरी लोगों के द्वारा किया गया धर्मांतरण

वहीं इस मामले में नेपानगर थाना प्रभारी ज्ञानू जयसवाल ने बताया कि, ग्राम केरपानी में शांतिराम के घर कुछ कार्यक्रम किया जा रहा था। उसमें फरियादी बलिराम के द्वारा बताया गया कि समाज के और बाहरी कुछ लोग आए थे, जिनके द्वारा धर्मांतरण किया गया और बलिराम को भी धर्मांतरण का लालच दिया गया था। जिसके बाद इस मामले में 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए, मामला जांच में लिया गया है।

10 लोगों के खिलाफ हुआ मामला दर्ज

वहीं अब फरियादी बलिराम की शिकायत पर थाना नेपानगर में आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तन करने से जुड़ा एक मामला धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के अंतर्गत दर्ज किया गया है।

काम से घर लौटा पति तो फंदे से लटकती मिली पत्नी, पलंग पर पड़ा था बेटी का शव, जताई हत्या की आशंका

सागर (ए.)। सागर जिले के खुरई के आंबेडकर वार्ड में एक कमरे में मां और बेटी के शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। नवविवाहिता का शव फंदे पर लटकता मिला वहीं उसकी एक साल की बेटी पलंग पर मृत अवस्था में मिली। मृतका के परिजनों ने आशंका जताई है पहले मां ने अपनी बेटी की हत्या की होगी और फिर खुद भी फंदे पर लटक गई। इस बड़ी घटना को अंजाम देने के पीछे महिला के पेट से जुड़ी समस्या को बताया जा रहा है

मायके वालों ने जताई हत्या की आशंका

जानकारी के अनुसार खुरई शहरी थाना क्षेत्र के आंबेडकर वार्ड स्थित कंपनी कुआं के पास स्वाति लोधी का शव फंदे पर लटका मिला था, जबकि उसकी एक साल की बच्ची नाव्या लोधी का शव पलंग पर पड़ा हुआ था। घटना के समय पति काम पर गया हुआ था। कुछ देर बाद महिला का पति हेमंत लोधी घर आया तो अपनी पत्नि को फंदे पर लटका पाया, जबकि उसकी बेटी का शव पलग पर पड़ा मिला। उसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

शहरी थाना प्रभारी शशि विश्वकर्मा और नायब तहसीलदार ने आकर जांच शुरू कर दी है। पत्नी और बेटी की मौत के बाद पति का बुरा हाल है। वहीं परिजनों ने लड़की के मायके वालों को भी घटना की सूचना दे दी है। मायके वालों के आने के बाद ही पीएम कराया जाएगा। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल जा रही छात्रा को कुचला, हुई मौत; ट्रक अनियंत्रित होकर दुकान में घुसा

छतरपुर (ए.)। छतरपुर में भीषण सड़क हादसे में एक नाबालिग आदिवासी बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर बाइक से स्कूल जा रही बच्ची और उसके पिता को कुचल दिया।

घटना छतरपुर शहर सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के (सागर-कानपुर NH रोड) महोबा रोड महतों पेट्रोल पंप के पास की है। जहां 14 साल की नाबालिग शिवानी रावत आदिवासी जोकि कक्षा 6वीं में पढ़ती है और अपने पिता संतु आदिवासी रावत के साथ बाइक पर बैठकर (शारदा विधा मंदिर) स्कूल पढ़ने जा रही थी। साथ ही मृतका पीछे आटे की बोरी लिए बैठी थी। इसी दौरान छतरपुर शहर से महोबा की ओर जा रहे ट्रक ने अनियंत्रित होकर बाइक सवार पिता-पुत्री को कुचल दिया और किनारे बनी दुकान में घुस गया।

टीकमगढ़ शहर में पागल सियार का हमला, छह लोगों को किया घायल; बच्चे भी शामिल

टीकमगढ़ (ए.)। शनिवार की दोपहर एक पागल सियार शहर में आ गया और टीकमगढ़ शहर के लुकमान चौराहे से लेकर सेलसागर चौराहे तक उसने आतंक काट दिया। रोड पर चल रहे लोगों को उसने काटा और भाग गया। वहीं रास्ते में जितने लोग भी मिले सभी को घायल कर दिया।

स्थानीय नागरिक रिजवान अली ने बताया कि वह दोपहर के समय अपने बाइक से घर जा रहे थे, तभी अचानक उसने झपट्टा मारा, लेकिन उन्होंने अपने पैर ऊपर कर लिए। टीकमगढ़ जिला अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार दोपहर में पागल सियार के काटने से टीकमगढ़ शहर के रहने वाले कार्तिक राजा, रहमूल खान, माही रैकवार उम्र 7 वर्ष, इसरार खान और मिस्टर जानू के ऊपर हमला किया है।

पागल सियार ने किसी के पाव में तो किसी के हाथ में काट लिया है। इन सभी को टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। अचानक सियार के हमले से लोग समझ नहीं पाए। पहले लोगों ने समझा कि कुत्ता है, लेकिन जिस तरह वह हमला कर रहा था, इससे लोग डर गए और भाग खड़े हुए। वह इतनी तेज गति से चल रहा था कि लोगों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह तेज गति से भागते हुए पुराने बस स्टैंड की ओर चला गया।

पुलिस लाइन की पीछे से आया सियार

स्थानीय लोगों का कहना है कि पागल सियार पुलिस लाइन की पीछे से आया और सीधे शहर के लुकमान चौराहे पर पहुंचा, जहां पर कई लोगों पर हमला करके घायल कर दिया। इसके बाद वह सेल सागर पहुंचा जहां पर पैदल जा रहे लोगों को उसने काटा और दुकान पर काम कर रहे लोगों के ऊपर हमला किया।

सट्टे में कर्ज और पारिवारिक विवाद से तंग कारोबारी ने की आत्महत्या

इंदौर (ए.)। इंदौर के सुदामा नगर में रहने वाले कारोबारी राहुल गुप्ता (40) ने शुक्रवार रात आत्महत्या कर ली। उनका शव घर में पत्नी की चुन्नी से लटका हुआ मिला। यह दृश्य सबसे पहले उनकी पत्नी ने देखा। उन्होंने तुरंत अपनी 10 साल की बेटी की मदद से राहुल को नीचे उतारा। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से रात 12 बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राहुल की मौत से परिवार और पड़ोसी सदमे में हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां और एक बेटा है। अन्नपूर्णा थाना पुलिस के मुताबिक, राहुल ऑनलाइन सट्टे में काफी धनराशि हार चुके थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उनके ऊपर भारी कर्ज हो गया था। राहुल मूल रूप से भिंड के अंबाह के रहने वाले थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और उनकी कॉल डिटेल खंगालने के साथ अन्य पहलुओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, इस वक्त परिवार के सदस्य बयान देने की स्थिति में नहीं हैं। उनके बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कर्ज और पारिवारिक परेशानियां बनीं आत्महत्या की वजह

राहुल के दोस्तों ने बताया कि वह ऑनलाइन सट्टे में करीब डेढ़ करोड़ रुपए गंवा चुके थे। इस नुकसान की भरपाई करने के लिए उन्होंने अपने पिता से भी 40-50 लाख रुपए उधार लिए थे। आर्थिक तंगी के साथ-साथ पारिवारिक विवाद भी उनके तनाव का कारण बना हुआ था।

इंदौर में रात में और सुबह हल्की बारिश, अगले सप्ताह से बढ़ेगी ठंड, फसलों को नुकसान

इंदौर इंदौर में शुक्रवार से शुरू हुआ बारिश का दौर शनिवार को भी चलता रहा। शुक्रवार रात में शुरू हुई बारिश शनिवार में सुबह तक चलती रही। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में देर रात गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। इंदौर में सुबह ठंडी हवाओं और बारिश की वजह से लोग कंपकंपाते रहे। हालांकि सुबह 9 बजे धूप निकलना शुरू हुई और मौसम खुल गया। शुक्रवार को इंदौर का न्यूनतम तापमान 17.5 और अधिकतम तापमान 27.4 रहा।

फसलें भीगी

शुक्रवार को रतलाम, मंदसौर, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। शनिवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। बारिश के कारण रायसेन के दशहरा मैदान में ट्रैक्टर ट्रॉलियों में धान लेकर आए किसान परेशान हो गए। रातभर किसान तिरपाल पकड़कर बैठे रहे, ताकि धान को खराब होने से बचाया जा सके। वहीं, रीवा के करहिया में भी सैकड़ों बोरी धान बारिश में भीग गई।

कई जिलों में गिरेगा पानी

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में प्रदेश के कई जिलों में मौसम के बदलने की संभावना जताई है। कटनी, पचमढ़ी, हरदा, सागर, खजुराहो, पन्ना और जबलपुर में आकाशीय बिजली चमकने के साथ ओले गिरने और 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी बैतूल में भी बारिश की संभावना है। भोपाल, रायसेन के भीमबेटका, दमोह, रीवा, मऊगंज, चित्रकूट, मैहर, बैतूल, सीहोर, विदिशा, सांची, ओंकारेश्वर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, भिंड, सीधी, सिंगरौली, बांधवगढ़, शहडोल और अनूपपुर में भी मौसम बदला रहेगा और बारिश हो सकती है।

व्यापार समाचार

खराब सिमुलेटर के जरिए कर्मियों को प्रशिक्षण देकर सुरक्षा से हुआ समझौता, अकासा एयर पर इसलिए हुई कार्रवाई

नई दिल्ली (ए.)। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए शक्रवार को अकासा एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 27 दिसंबर को जारी अपने दो अलग-अलग आदेशों में कहा कि एयरलाइन जिसमें राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी है के दो वरिष्ठ अधिकारी नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं (सीएआर) का अनुपालन सुनिश्चित करने में "विफल" रहे हैं। आकाश एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को निलंबित करने का निर्णय तब लिया गया जब डीजीसीए ने उन्हें क्रमश: 15 अक्तूबर और 30 अक्तूबर को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब को "असंतोषजनक" पाया।

नागरिक विमानन महानिदेशालय ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए "उपयुक्त" उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी। अकासा एयर ने एक बयान में कहा, "अकासा एयर को डीजीसीए से 27 दिसंबर 2024 का आदेश प्राप्त हुआ है। हम डीजीसीए के साथ काम करना जारी रखेंगे और तदनुसार अनुपालन करेंगे।" एयरलाइन ने कहा, "सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का निरंतर प्रयास करते हैं।"

डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया... कैसे आपकी जेब पर डालेगा असर

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को रुपया और कमजोर होकर सबसे निचले स्तर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 85.50 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

आंकड़ों से साफ तौर पर पता चलता है कि देश में इंपोर्टेड सामानों का इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा उछाल सोने में देखने को मिला है। यह इस साल नवंबर के महीने में 50 फीसदी से बढ़कर 49.08 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत सरकार ने जैसे ही कस्टम ड्यूटी 15 से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी। इसके बाद सोने के आयात में काफी तेजी देखने को मिली है। रुपये में गिरावट के कारण इकोनॉमी पर भी काफी दवाब बढ़ रहा है।

आरबीआई की रिपोर्ट, दो साल से उच्च ब्याज दरों के स्थिर होने के बावजूद पर्सनल लोन में वृद्धि

नई दिल्ली (ए.)। दो साल से उच्च ब्याज दरों के स्थिर होने के बावजूद पर्सनल लोन के तहत आने वाले हाउसिंग, क्रेडिट कार्ड और शिक्षा कर्ज में 23 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, हाउसिंग के एवज में कर्ज मार्च, 2024 तक सबसे अधिक 36 फीसदी बढ़कर 27,18,715 करोड़ रुपये पहुंच गया। मार्च, 2023 तक यह 19,91,164 करोड़ रुपये था। कुल पर्सनल लोन 20 फीसदी बढ़कर 53.31 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है।

इसी तरह, क्रेडिट कार्ड बकाया 25.6 फीसदी बढ़कर 2.57 लाख करोड़ और शिक्षा कर्ज 23.7 फीसदी बढ़कर 1.19 लाख करोड़ पहुंच गया। कंज्यूमर ड्यूरेबल खरीदने को लिया गया कर्ज 13.4 फीसदी, फिक्स्ड डिपॉजिट के बदले कर्ज 2.2 फीसदी, ऑटो लोन 17.4 फीसदी और गोल्ड लोन 14.8 फीसदी बढ़ा है। कुल कर्ज में पर्सनल लोन का हिस्सा 2023-24 में बढ़कर 27 फीसदी पहुंच गया, जो 2022-23 में 20 फीसदी था। कृषि कर्ज 15.4 फीसदी से बढ़कर मार्च, 2024 में 20 फीसदी पहुंच गया। उद्योग कर्ज बढ़कर 8.5 फीसदी पहुंच गया।

आपसे पैसे लेकर बैंक ऐसे चलाते हैं अपना कारोबार

बैंकों का कारोबार मूलरूप से आपसे जमा लेकर उसी को किसी अन्य को कर्ज देकर चलता है। आपसे कम ब्याज पर पैसा लेकर दूसरों को ज्यादा ब्याज पर देते हैं। सरकारी बैंकों के फंड की लागत 2022-23 में 4.1 फीसदी रही थी और उनकी कमाई 7.5 फीसदी रही। 2023-24 में लागत बढ़कर 5 फीसदी तो हो गई, लेकिन कर्ज से कमाई भी बढ़कर 8.41 फीसदी पर पहुंच गई। निजी बैंकों का भी यही हाल है। उनकी लागत मार्च, 2024 में 5.4 फीसदी थी लेकिन कर्ज से कमाई 10.4 फीसदी रही थी।

सूक्ष्म-छोटे उद्योगों को भी मिला ज्यादा ऋण

रिपोर्ट के मुताबिक, सूक्ष्म एवं छोटे उद्योगों का हिस्सा 13.1 से बढ़कर 14.7 फीसदी, मध्यम इकाइयों का 12.3 फीसदी से बढ़कर 13.3 फीसदी और बड़ी कंपनियों को दिए जाने वाला कर्ज का हिस्सा 3.5 फीसदी से बढ़कर 6.4 फीसदी के स्तर पर पहुंच गया है। इसी प्रकार, कुल कर्ज में सेवा क्षेत्र का हिस्सा 23.5 फीसदी रहा, जो 2023 मार्च में 19.5 फीसदी रहा था।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

- सेंसेक्स 226 अंक चढ़कर 78,699 अंक पर बंद

- निफ्टी 63 अंक बढ़कर 23,813 अंक पर बंद

मुंबई (ए.)। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। बुधवार 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार में सप्ताह में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। वहीं वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली को नजरअंदाज करते हुए डीआईआई की खरीदारी ने बाजार में जोश भरने का काम किया जिससे शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 628.34 अंक उछलकर 78,669.93 पर खुला और 498.58 अंकों की बढ़त के साथ 78,540.17 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 219 अंक बढ़कर 23,806.50 पर खुला और 165.95 अंक बढ़कर 23,753.45 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन भी तेजी देखी गई। पिछले हफ्ते की भारी गिरावट से उबरते हुए लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी बाजार हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192.03 अंक चढ़कर 78,732.20 पर खुला और 67.30 अंक गिरकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 44.65 अंक चढ़कर 23,798.10 पर खुला और 25.80 अंक गिरकर 23,727.65 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में हासिल हुई बढ़त दिन चढ़ने के साथ गंवा बैठे। इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर हावी हो गया।

वाटसएप लेकर आ रहा है नया फीचर

अब यूजर्स को फेक इमेजेज से बचने की सुविधा मिलेगी

नई दिल्ली (ए.)। व्हाट्सएप अब वेब यूजर्स के लिए भी एक नया फीचर ला रहा है। इस नए फीचर के माध्यम से यूजर्स गूगल के माध्यम से तुरंत किसी भी इमेज को वेरिफाई कर सकेंगे। आधुनिक युग में इंटरनेट पर झूठी और मिथ्या जानकारियों की फैलाव के कारण ऐसे फेक इमेजेज भी बढ़ गए हैं जिनसे हमें धोखा हो सकता है। इस नये रिवर्स इमेज सर्च फीचर से अब यूजर्स को इन फेक इमेजेज से बचने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए यूजर्स को व्हाट्सएप एप्लिकेशन पर ही किसी इमेज के ऊपर क्लिक करके गूगल पर रिवर्स सर्च करने का ऑप्शन मिलेगा। अगर गूगल पर उस इमेज की पहचान होती है, तो यूजर को सच्चाई का पता चल जाएगा। इस फीचर के आने से सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और गलत इमेजेस की फैलाव को कम करने में मदद मिलेगी और इंटरनेट को एक सुरक्षित और विश्वसनीय स्थान बनाने में मदद मिलेगी। यह सुनिश्चित करेगा कि हम सही जानकारी पर निर्भर रहें और अफवाहों से बचें।

लावा ने भारत में नया स्मार्टफोन लॉन्च किया

कीमत 10000 रुपये से कम

नई दिल्ली (ए.)। लावा ने भारत में युवा सीरीज का नया स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। लावा युवा 2 5जी में 50एमपी डुअल रियर कैमरा सेटअप है। इसमें यूनिसोक टी 760 चिपसेट, 5000 एमएएच बैटरी और 6.67 इंच एचडी स्क्रीन है। लावा युवा 2 5जी स्मार्टफोन के 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरियंट की कीमत 9,499 रुपये है। फोन रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। मार्बल ब्लैक और मार्बल व्हाइट कलर वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। इसमें एक साल की वारंटी और डोरसटेप सर्विस फ्री ऑफर भी है। लावा युवा 2 5जी में 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज है। फोन ऐंड्रॉयड 14 ओएस के साथ आता है। 50 एमपी एआई प्राइमरी रियर कैमरा और 8 मेगापिक्सल फ्रंट सेंसर दिए गए हैं। फिंगरप्रिंट सेंसर भी है। लावा युवा 2 5जी फोन ऑनलाइन और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। इसकी बिक्री शुरुआत के दौरान फोन की डिमांड में इजाफा हो सकता है। यह फोन युवा जनेशन को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है और यह उनकी कमजोरियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ट्रंप से भारतीय उद्योग जगत को विशाल अवसर

जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है- डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।'

कहानी पुरानी है। दुनिया में जब कोई बड़ा बदलाव आता है, तो भारत के राजनेता, थिंक टैंक, विशेषज्ञ और मीडिया धारणा बनाते हैं कि उससे भारत के लिए बड़ा अवसर पेश आएगा। मगर लगभग हर बार मौका निकल जाता है! तब किसी ऐसे नए अवसर' से उम्मीद जोड़ी जाती है! डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा, तब कहा गया था कि उससे भारत के लिए बड़ा मौका पेश आएगा। निम्न-स्तरीय उत्पादन श्रृंखला में चीन का जो स्थान है, वह धीरे-धीरे खिसक कर भारत आ जाएगा। लेकिन अब विशेषज्ञ और थिंक टैंक ही नहीं, बल्कि भारत सरकार की संस्थाएं भी मानती हैं कि वो अवसर भारत ने गंवा दिया।

अब नए हैंडबैग के साथ संसद पहुंची प्रियंका गांधी

अब ट्रंप फिर राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, तो पुरानी बातें भूल कर फिर माहौल बनाया जा रहा है कि उनके दूसरे कार्यकाल की नीतियां भारत के लिए बहुत बड़ा अवसर साबित होंगी। नई दिल्ली स्थित आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है- डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।' जीटीआरआई शायद इस संभावना को भूल गई कि उन अन्य देशों में भारत भी एक हो सकता है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान जिन पक्षों को अनुचित व्यापार व्यवहार में लगा बताया था, उनमें यूरोपियन यूनियन और भारत भी हैं।

बहरहाल, ये आशंका टल भी गई, तो भी यह सवाल तो बना रहेगा, जैसाकि खुद जीटीआरआई ने भी स्वीकार किया है कि ट्रंप-1 से बने अवसर भारत के हाथ से निकल गए? संस्था ने कहा है कि उस अवसर का सबसे ज्यादा लाभ मेक्सिको, कनाडा, एवं आसियान देशों ने उठाया। इसकी वजह स्थानीय सप्लाई चेन और महत्त्वपूर्ण माध्यमिक इनपुट्स के उत्पादन में भारत की कमजोरी रही। संस्था की सलाह है कि भारत को ये कमजोरियां दूर करनी चाहिए। मगर यही तो असल बात है। ये आखिर कैसे और कब होगा?

विचार विमर्श की प्रक्रिया विपक्ष की वजह से लंबी खींची रही

एस. सुनील

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

देश के नागरिकों ने क्या विपक्ष का चुनाव उसी काम के लिए किया है, जो विपक्षी पार्टियों ने संसद के शीतकालीन सत्र में किया है? यह यक्ष प्रश्न है और इसका जवाब निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों के देना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र की यह सुंदरता है कि इसमें मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने तीन चुनाव में पहली बार कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर चुना है। इससे पहले दो चुनावों में देश के मतदाताओं ने कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी बनने लायक जनादेश भी नहीं दिया था। परंतु इस बार उसे मुख्य विपक्षी पार्टी का जनादेश मिला तो क्या वह इसलिए मिला कि श्री राहुल गांधी आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष बनें और अपने 99 सांसदों के दम पर संसद को ठप्प कर दें या संसद के सत्र में अनावश्यक मुद्दे उठाएं और कामकाज बाधित करें या संसदीय परंपराओं को खंडित करें और एक सांसद ने नाते मर्यादा की गिरावट की नई मिसाल बनाएं?

मतदाताओं ने सरकार का बहुमत कम किया और विपक्ष की शक्ति बढ़ाई तो उसका उद्देश्य सरकार को पहले से ज्यादा जवाबदेह बनाने के साथ साथ विपक्ष को भी रचनात्मक भूमिका देने का था। परंतु ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने जनादेश की गलत व्याख्या कर ली। उसको लग रहा है कि जनता ने उसे सरकार को कामकाज नहीं करने देने के लिए पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाया है।

संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी पार्टियों ने इसी धारणा के साथ काम किया। पहले दिन से विपक्षी सांसदों ने अनावश्यक मुद्दे उठाए और कामकाज नहीं चलने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सत्र के पहले दिन, 25 नवंबर को विपक्षी पार्टियों से आह्वान किया था कि संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करें। संसदीय कार्यमंत्री श्री किरेन रिजीजू ने कहा था कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। परंतु पहले दिन से ऐसा लगा कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने संकल्प किया हुआ है कि कार्यवाही नहीं चलने देनी है। उसने पहले दिन से अडानी समूह का मुद्दा उठाया। यह सही है कि अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह से जुड़े आठ लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं। परंतु क्या कांग्रेस पार्टी खासतौर से श्री मल्लिकार्जुन खडगे और श्री राहुल गांधी कभी यह सोचते हैं कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले इस तरह के मुद्दे कहां से और क्यों आ जाते हैं?

पूरे वर्ष में संसद के सिर्फ तीन सत्र होते हैं। अधिकतम चार महीने संसद की कार्यवाही चलती है। परंतु हर बार उससे पहले कोई न कोई विदेशी मीडिया या रिसर्च संस्थान या कोई गैर सरकारी संगठन भारत को लेकर कथित खुलासा कर देता है और उसके बाद विपक्षी पार्टियां उसके आधार पर हंगामा करके संसद नहीं चलने देती हैं। विपक्ष को निश्चित रूप से यह सोचना चाहिए कि हर बार सत्र से पहले क्यों हिंडनबर्ग या पेगासस या ओसीसीआरपी या मीडियापार्ट की खबरें आती हैं? और उसके आधार पर संसद नहीं चलने या पक्ष और विपक्ष में टकराव बढने से किसका फायदा होता है और किसको नुकसान होता है?

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्पति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्पति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। यह पहली बार हुआ कि विपक्ष ने लगातार दो सत्रों में सभापति के खिलाफ इस तरह से अविश्वास प्रस्ताव का प्रयास किया। हालांकि सत्र के अंतिम दिन उप सभापति श्री हरिवंश ने विपक्ष को नोटिस को नामंजूर कर दिया। लेकिन विपक्ष ने दिखा दिया कि वह टकराव बढ़ाने के लिए किस हद तक जाने को तैयार है। रचनात्मक भूमिका निभाने और संसदीय कार्यवाही में सकारात्मक योगदान देने की बजाय विपक्ष की यह नकारात्मकता उसको खुद को तो नुकसान पहुंचा ही रही है अंततः देश को भी नुकसान पहुंचा रही है।

विपक्ष ने संसद को एक तरह से राजनीतिक उद्देश्य पूरा करने के लिए लड़ाई का मैदान बना दिया है। इसे शीतकालीन सत्र के अंतिम तीन दिन की कार्यवाही से समझा जा सकता है। राज्यसभा में संविधान पर दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार, 17 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अतिम शाह ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रति उमड़े विपक्ष के नए नए प्रेम पर तंज किया और कहा कि, अभी एक नया फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता'। इसमें डॉक्टर अंबेडकर के लिए कुछ भी अपमानजनक नहीं है।

यह विपक्ष पर व्यंग्य था क्योंकि कांग्रेस और उसकी ज्यादातर सहयोगी पार्टियों ने कभी भी बाबा साहेब अंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। कांग्रेस ने उनको भारत रत्न नहीं मिलने दिया। उन्हें भारत रत्न तब मिला, जब कांग्रेस दूसरी बार केंद्र की सत्ता से बाहर हुई और भाजपा के समर्थन वाली सरकार बनी। कांग्रेस को जब लगा कि डॉक्टर अंबेडकर की अनदेखी करने और एक परिवार के लिए सब कुछ आरक्षित करने की उसकी नीति सवालों के घेरे में आई हुई है तो उसने उलटे बाबा साहेब के अपमान का मुद्दा बना दिया।

जिन लोगों ने अपने लंबे शासनकाल में कभी भी डॉक्टर अंबेडकर को सम्मान नहीं दिया और दलितों, पिछड़ों, वंचितों के लिए बाबा साहेब की सोच को शासन में लागू नहीं किया उन लोगों ने उनके अपमान का झूठा मुद्दा बना कर संसद को लड़ाई का अखाड़ा बना दिया। शीतकालीन सत्र में संसदीय राजनीति पर धब्बा लगाने वाली दूसरी घटना भी इसी से जुड़ी है। डॉक्टर अंबेडकर के कथित अपमान के मसले पर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के सांसद इतने आक्रामक हो गए कि लडने्, भिडने् पर आमादा हो गए। विपक्ष के आक्रामक प्रदर्शन की वजह से गुरुवार, 19 दिसंबर को संसद परिसर में धक्कामुक्की हो गई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के दो सांसद घायल हो गए।

बुजुर्ग सांसद श्री प्रताप सारंगी और श्री मुकेश राजपूत को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। भाजपा ने इस मामले में श्री राहुल गांधी के खिलाफ संसद मार्ग थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा इसकी जांच करेगी। इतना ही नहीं नागालैंड की अनुसूचित जनजाति की महिला सांसद सुश्री फांगनोन कोन्याक ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। महिला सांसद का कहना है कि राहुल इतने नजदीक आ गए थे कि वे असहज महसूस कर रही थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इसका संज्ञान लिया है और लोकसभा स्पीकर व राज्यसभा के सभापति को इस मामले में तत्काल और उचित कार्रवाई करने को कहा है।यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसदीय मर्यादा और परंपरा का लगातार क्षरण होता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी लगातार तीसरी बार चुनाव हारने के बाद सत्ता के लिए इतनी बेचैन हो गई है कि उसने संसद की गरिमा का ख्याल त्याग दिया है। उसे लग रहा है कि पहले 10 साल उसने जो नकारात्मक भूमिका निभाई उसी से उसके सांसदों की संख्या बढ़ी है और इसलिए उसे और ज्यादा नकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। परंतु ऐसी राजनीति कांग्रेस के लिए और साथ साथ देश, समाज व नागरिकों के लिए भी नुकसानदेह है। इस समय देश के सामने अनेक गंभीर सवाल हैं, जिन पर संसद के अंदर चर्चा होनी चाहिए थी।बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं पर जिस तरह से अत्याचार हो रहे हैं, उस पर सभी को एकजुट होकर सवाल उठाना चाहिए थी। कनाडा और दुनिया के दूसरे देशों में हो रही भारत विरोधी गतिविधियों पर चर्चा करने और सरकार के हाथ मजबूत करने की आवश्यकता थी। राजधानी दिल्ली में, जहां विपक्षी सांसद अनावश्यक मुद्दों पर संसद की कार्यवाही स्थगित कर रहे थे वहां वायु प्रदूषण इतना है कि लोगों का दम घुट रहा है।

भावना

सर्दी की पहली बरसात उपवन में छाई
महीनों के बाद बाहर।

छाई हरियाली खेतों मेंऔर छिटकी सूर्य की
पहली लाल किरण बागों में।

दूर वनों में पसरा गहरा कोहरा और
घरों में गर्माहट कर रहा काला कोयला।

हिमपात हो रहा पहाड़ों पर और बह रहा
शीतल स्वच्छ जल नदी नलों में।

डॉ.राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश (युवा कवि लेखक)
(हिंदी अध्यापक)
पता-गांव जनयानकड़

देवेन्द्र यादव चुनावी तैयारी में कहीं आगे निकल चुके

अनिल चतुर्वेदी

दिल्ली में सरकार किसकी बनती है और कौन बनता है दिल्ली का सीएम यह तो बाद की बातें हैं लेकिन सच तो यह भी है कि कांग्रेस या भाजपा में नेता इस मक़सद से तो टिकट की माँग भी नहीं कर रहे और न ही हिम्मत जुटा पा रहे हैं पर हाँ यह ज़रूर है कि पब्लिसिटी और नंबर बनाने या फिर रुतबे के लिए पार्टियों के नेता केजरीवाल के रहते खुद को उनके सामने लाना चाह रहे हैं। नई दिल्ली से जीतने वाला नेता अक्सर सीएम का दावेदार रहा है सो आप पार्टी से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस विधानसभा से मैदान आ चुके हैं ,कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप को अपना उम्मीदवार बना चुकी है रही बात भाजपा की सो अभी उम्मीदवार तय नहीं है।दिसंबर के आखिर् में उम्मीदवार तय किए जाने की उम्मीद है। यह अलग बात है कि पार्टी ने यहाँ से उम्मीदवारी को लेकर कई बार रणनीति बनाई पर नतीजा कुछ नहीं निकला। अब जो सबसे ज़्यादा दावेदारी कर रहे हैं वे हैं पूर्व मुख्यमंत्री स्व: साहिब सिंह वर्मा के बेटे और पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह । नेताजी बाहरी दिल्ली से सांसद रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में जिन छह सांसदों के टिकट पार्टी ने काटे थे प्रवेश उनमें से एक हैं। अब पार्टी ने भले प्रवेश के नाम की घोषणा यहाँ से चुनाव लडने् के लिए नहीं की हो पर नेताजी ने इस विधानसभा की दीवारों को अपने नाम और यहाँ से लडने् का संकेत देकर पाट दिया है। यही नहीं सोशल मीडिया और अख़बारों में भी इसी तरह की पिछले दिनों खबरें भी छपीं हैं। बाहरी दिल्ली से ही लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार को समर्थन देने को लेकर भी अपने ये नेताजी सुर्खियों में रहे थे। और तो और पिछले दिनों कार्यकर्ताओं की मीटिंग में भी कुछ ऐसे ही संकेत दिए गए कि मानो वे नई दिल्ली से पार्टी उम्मीदवार है और सीएम के दावेदार हों । साथी नेताओं ने तो इस मीटिंग में यहाँ तक कह भी डाला कि उन्हें इन नेताजी को जिताना है पर शायद भाजपा की ज़मीन पर अभी ऐसा कुछ भी नहीं बताया जा रहा है। कि नेताजी उम्मीद हैं भी या नहीं ।या यह मानिए कि अभी सिर्फ़ ख्याली पुलाव वाली बात। यह ज़रूर है कि नेताजी ने इस मीटिंग में खान-पान की व्यवस्था ज़रूर की थी और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज इसमें मौजूद थीं।अब भला नेताजी अपने संसदीय क्षेत्र की दस विधानसभाओं में किसी एक से लड़कर बाहर की नई दिल्ली से लडने् की इच्छा क्यूं जता रहे हैं भाजपा ही नहीं बाक़ी राजनीतिक दलों में भी यह चर्चा का सवाल बना हुआ है।यूँ नेताजी जाट विरादरी से ताल्लुक़ रखते हैं पर नई दिल्ली विधानसभा में जाट वोटों की संख्या न के समान मानिए। यहाँ वाल्मीकि,धोबी ,वैश्य दलित, उत्तराखंड के और पंजाबी आदि वोटर तो हैं पर जाट या मुस्लिम वोटरों की संख्या तो बेहद कम है। ऐसे में अपने ये नेताजी किसके दम पर चुनाव का दम भर रहे हैं यह तो राम जाने पर हाँ अगर आकाओं का फ़ैसला साम दाम दंड भेद से जीतने का ही होगा तो बाक़ी तो सभी कुछ नगण्य ही होना है। यह बात दूसरी है कि खुद भाजपा के नेता भी अपने बूते 70 में से 20 से 25 सीटें जीत पाने के दम के साथ केजरीवाल की सरकार एक बार बनते देख रहे हैं ।दिल्ली में सरकार किसकी बनती है यह भले इंतज़ार की बात हो लेकिन सरकार बनाने की कोशिश में तो फिलाहल भाजपा से कहीं आगे हैं। आप और भाजपा के खिलाफ तक़रीबन 60 जगहों पर प्रदर्शन और दिल्ली न्याय यात्रा निकाल कर कांग्रेस ने वोटरों के दिलों में कहीं न कहीं जगह ज़रूर बनाई है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आज आपको निजात मिलेगी और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी । आज किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री संबंधी रुका काम पूरा हो जाएगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे । आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा कर लेंगे ।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हे मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किया गये काम में आपको सफलता मिलेगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्त्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। आज रुका हुआ पैसा मिल सकता है, हालांकि दिन की शुरुआत में चुनौतियां रहेगी, लेकिन किसी अनुभवी की मदद से रास्ते आसान हो जाएंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है । काम आसानी से बनेंगे और किसी नई योजना पर भी काम करने का अवसर मिलेगा। परिवार और फाइनेंस से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे। कुछ समय से चल रही किसी समस्या का समाधान मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाये बनेगी। आज आपका काम करने का जनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किसी भी ऑफिशियल यात्रा को करने के लिए समय अनुकूल है। आज पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। लवमेट में एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान और विश्वास करेंगे। आज आपका किसी इंटरव्यू में सिलेक्शन होगा, अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने की बजाय बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज जल्दबाजी और भावुकता में निर्णय न लें ।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा । आज दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने से नए अवसर मिलेंगे। छात्रों को करियर संबंधित खुशखबरी मिलने वाली है ।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा। योजना को गति देने में आपकी मेहनत रंग लाएगी। लवमेट को मुलाकात का अवसर मिलेगा ।

मकर राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे । इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे । आय के नए स्त्रोत बनेंगे । बुजुर्गों प्यार व आशीर्वाद घर में शांतिपूर्ण माहौल बनाकर रखेगा। किसी रुके हुए काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती हैं। आज कठिन परिस्थितियों में भी आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोंच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा । अगर कहीं पैसा फंसा हुआ है, तो उसकी वसूली के लिए प्रयास करेंगे, सफलता मिल सकती है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे। छोटों की गलतियों को माफ करते चलेगे और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन पर अमल करेंगे। किसी भी योजना की पहले उचित रूपरेखा बनाए, बाद में उस पर काम करेंगे । आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है।

नया साल मनाने जा रहे बेटे बेटियों को सावधान करें

रमेश शर्मा

केवल भारत ही नहीं पूरी दुनियाँ नया साल मनाने की तैयारी हो रही है । नदियों झील, समन्दर और पहाड़ों के पर्यटन स्थल और महानगरों में बार, होटल रेस्टोरेंट बुक हो चुके हैं । लेकिन एक बात समझ लें। गत वर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट ही नहीं सके थे । वे या तो या तो नशे में गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुये अथवा नशे में हुये झगड़ों का शिकार बने थे। घायलों की संख्या भी सैकड़ों में रहीं। गत वर्ष केवल उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर छै मौतें, पचहत्तर घायल हुये थे । आपसी झगड़ों में पुलिस ने आधीरात को 55 युवा बंदी बनाये थे ।

वर्ष 2024 के समापन के पल समीप आ गये । भारत में यह वर्ष अनेक उपलब्धियों की सौगात देकर विदा हो रहा है । पूरी दुनियाँ के साथ भारत में भी नववर्ष के स्वागत की तैयारी के समाचार मीडिया में आने लगे। यह तैयारी पर्यटन स्थलों, होटल, बार, रेस्टोरेंट आदि में अधिक है । अंग्रेज क्रिसमस की इन छुट्टियों में मंसूरी नैनीताल आदि पहाड़ों पर जाया करते थे । अंग्रेज भले चले गये छुट्टियों में पहाड़ों पर जाने की परंपरा छोड़ गये । हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पहाड़ों के अधिकांश होटल बुक हो चुके हैं । पिछले वर्ष तो रास्ते में पाँच-पाँच किलोमीटर के जाम लगा था । इसके अतिरिक्त वर्ष हजारों लाखों लोगों द्वारा अपने नगर के होटलों में पार्टी देने की ही नहीं, कमरों की बुकिंग भी हो गई है ।

समय की तेज गति से अब यह प्रश्न पीछे छूट गया कि भारतीय परंपरा में नया साल कब आता है और कैसे मनाया जाता है। भारतीय शासन व्यवस्था और समाज जीवन एक जनवरी को नया साल मनाने की परंपरा में ढल गया है । दैनिक जीवन के कार्य ही नहीं अब तो जन्म पत्रिकाएँ भी अंग्रेजी वर्ष के दिनांक से बनती हैं। कुण्डली दिखाने के लिये भी अंग्रेजी दिनांक ही दी जाती है । यह आधुनिक नया साल प्रात:कालीन सूर्योदय से आरंभ नहीं होता । यह आधी रात से होता है । नये साल का उत्सव भी आधी रात को मनाया जाता है । आधी रात के इस उत्सव की दो विशेषताएँ होतीं हैं। एक यह उत्सव बिना शराब पार्टी के पूरा नहीं होता और दूसरा अधिकांश आयोजनों में स्त्री पुरुष साथ होते हैं । हालाँकि कुछ

-गतवर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट नहीं पाये थे, घायल, बलात्कार और गिरफ्तारियों के आकड़े अलग

पार्टियों में परिवार और पारिवारिक मित्रों के साथ होती हैं । लेकिन अनेक पार्टियों में भाग लेने वाले जोड़े, पति पत्नि नहीं, 卐मित्र卐 होते हैं। इनमें अधिकांश वे युवा होते हैं जो पढ़ाई या जॉब के लिये घरों से बहुत दूर रहते हैं। पिछले साल नववर्ष की रात जो घटनाएँ घटीं थीं उनमें अधिकांश इसी प्रकार के समूहों के बीच घटीं थीं। जो हत्या, प्राण घातक मारपीट, बलात्कार, बलात्कार का प्रयास और बेहद घटिया छेड़छाड़ से भरीं थीं। वर्ष 2022 और 2023 के बीच एवं वर्ष 2023 और 2024 के बीच मनाये गये नववर्ष उत्सव की मध्य में रात्रि 10 बजे से 2-30 बजे के बीच केवल साढ़े चार घंटे में देश की राजधानी दिल्ली में कुल बत्तीस बड़े अपराध घटे थे । जिसमें उन्नीस बहुत गंभीर थे। इनमें चार मर्डर और बारह बलात्कार एवं बलात्कार का प्रयास थे । यदि इसमें दून, मुम्बई, बंगलूर, हैदराबाद, चैन्नई आदि 17 महानगरों के आँकड़े जोड़ें तो बड़े अपराधों की यह संख्या सौ से अधिक होती है । गत वर्ष केवल उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर झगड़े और दुर्घटनाओं में छै मौतें हुईं थीं। इनमें दून में चार, लालकुआँ भीमताल में एक और हल्द्वानी में एक मौत हुई थी । शराब के नशे में आधीरात को जो झगड़े हुये उनमें कुल 55 लोग बंदी बनाये गये थे। इनमें अकेले दून में तीस लोग बंदी बनाये गये थे । इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ के जशपुर में एक कार पेड़ से टकराई चार मौतें, झारखंड में छै, हापुड़ में दो, जमशेदपुर में छै मौतें हुईं थी ।

नेशनल सिक्युरिटी काउन्सिल द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार देशभर नववर्ष की रात को कुछ 104 मौतें हुईं थीं। गतवर्ष अर्थात 2023 की 30 एवं 31 दिसम्बर तथा वर्ष 2024 की एक जनवरी के इन तीन दिनों में कुल 308 मौतें हुईं थीं। दो वर्ष पहले दिल्ली में एक बेटी को लगभग चौदह किलोमीटर घसीटा गया था । यह घटना सुल्तानपुरी इलाके में घटी थी । वह 20 अंजलि थी ।उसकी हड्डियां घिस चुकी थीं । शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था । यह घटना मीडिया की सुर्खियाँ में आई थी इसलिए दो साल बाद अब भी सबके ध्यान में है लेकिन बाकी सब घटनाएँ एक दिन से आगे न बढ़ सकीं थीं। गत वर्ष नशे की पार्टियों से अलग कुछ टोलियाँ ऐसी भी थीं जो नया साल मनाने किसी होटल में नहीं धार्मिक स्थलों पर गये थे । नववर्ष पर ऐसी ही एक वैष्णों देवी से लौटते समय घटी । तेज रफ्तार गाड़ी खाई में गिरी और बारह लोग मारे गये । इन दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले कितने ही युवा अपने माता पिता की इकलौती संतान थे । और वे बेटियाँ जो उत्साह से नववर्ष मनाने गईं लेकिन बलात्कार या बलात्कार के प्रयास का शिकार हुईं । उनकी मनोदशा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वे पीड़ित प्रताड़ित युवा और उनके परिवार ये दर्द जीवन भर नहीं भूलेंगे।

अपराध के ये आकड़े पहले नहीं हैं। हर साल ऐसी घटनाएँ घटतीं है । नववर्ष मनाने के पिछले दस वर्षों में ऐसी घटनाओं के आँकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। ये आँकड़े वे हैं जो पुलिस तक पहुंचे। छेड़छाड़ आदि की कितनी घटनाएँ ऐसी होंगी जो पुलिस तक नहीं पहुँच सकीं। इसका कारण यह है कि नववर्ष की पार्टी केलिये उत्साह का अतिरेक और नशा विवेक को शून्य कर देता है । जिससे वह न तो अपने भविष्य का आकलन कर पाता है और न पिछली घटनाओं से कोई सबक ही लेता है । इस वर्ष भी यही हो रहा है।

नववर्ष उत्सव मनाने की तैयारी के जो समाचार आ रहे हैं वे पिछले वर्ष से बहुत अलग नहीं है । इसे हम महानगरों के होटल बार और रेस्टोरेंट की बुकिंग से समझ सकते हैं। पर्यटन स्थलों पर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ गया है । यह ठीक है कि दुर्घटनाएँ सभी के साथ नहीं घटतीं। अधिकांश लोग हँसी खुशी से ही लौट आयेंगे। और नववर्ष उत्सव के आनंद को मित्रों से साँझा करेंगे। पिछले सालों में भी ऐसा हुआ है ।

लेकिन सभी ऐसी सौभाग्यशाली नहीं होते। लेकिन जिन बेटे बेटियों का जीवन और मान संकट में पड़ता है उनकी क्षति की भरपाई कभी नहीं होती । इसलिए सावधानी और समझ दोनों आवश्यक हैं। किन मित्रों के साथ नया साल मनाना यह विचार आवश्यक है । जो युवक युवतियाँ अपने मित्रों के साथ नया साल मनाने जा रहे हैं तो सावधानी बरते ।

डॉ. मनमोहन सिंह को जीते जी कभी सम्मान न देने वाली कांग्रेस अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है : जे.पी.नड्डा

नई दिल्ली (ए)। राहुल गांधी ने निगमबोध घाट पर मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला किया और कहा कि पूर्व वित्त मंत्री सर्वोच्च सम्मान और स्मारक के पात्र हैं। वहीं, भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह सचमुच बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह को जीते जी कभी सम्मान न देने वाली कांग्रेस अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने सोनिया गांधी को पीएम मनमोहन सिंह से ऊपर सुपर पीएम बनाकर पीएम पद की गरिमा को तार-तार कर दिया था। राहुल गांधी ने अध्यादेश फाड़कर पीएम मनमोहन सिंह का अपमान किया। और आज वही राहुल गांधी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश के किसी भी बड़े नेता को न तो सम्मान दिया और न ही उनके साथ न्याय किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चाहे वो कांग्रेस पार्टी के हों या विपक्ष के, चाहे वो बाबा साहब अंबेडकर हों, देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू हों, सरदार पटेल हों, लाल बहादुर शास्त्री हों, पीवी नरसिम्हा राव हों, प्रणब दा हों, अटल बिहारी वाजपेयी हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पीएम मनमोहन सिंह की समाधि के लिए जगह दे दी है और परिवार को भी सूचित कर दिया है। फिर भी कांग्रेस झूठी खबरें फैला रही है। कांग्रेस का इतिहास याद रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की मृत्यु के बाद दिल्ली के राजघाट परिसर में समाधि स्थल बनाने की मांग उठी थी। लेकिन उस समय सोनिया गांधी ने इसे खारिज कर दिया था। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने 2015 में उनके लिए एक स्मारक की स्थापना की थी। जब 2020 में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ प्रणब मुखर्जी का निधन हो गया, तो कांग्रेस कार्य समिति को इसकी परवाह तक नहीं हुई शोक सभा बुलाने के लिए। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य कांग्रेस पार्टी के नेताओं को ऐसी घटिया राजनीति से बचना चाहिए।

एनसीसी कैडेट्स ने अमृतसर में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पैतृक विद्यालय हिंदू कॉलेज में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

नीतीश को उनके करीबी सहयोगियों ने बंधक बनाया, सहयोगी फैसले ले रहे : तेजस्वी

पटना (ए.)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सामान्य रूप से काम करने में सक्षम नहीं हैं और मुट्ठी भर करीबी सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर रखा है। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) प्रमुख की भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अचानक वापसी से पहले तक कुमार के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत रहे तेजस्वी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे 70-वर्षीय नेता द्वारा एक और पलटवार की अटकलों के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा, इन सभी अफवाहों में कोई दम नहीं है। नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वह बिहार चलाने में असमर्थ हैं। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने दावा किया, कुमार खुद निर्णय नहीं ले रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के चार नेताओं ने बंधक बना लिया है, जिनमें से दो दिल्ली में और शेष यहां के हैं, जो फैसले ले रहे हैं। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक राजद के नेता ने अपनी बात की पुष्टि के लिए हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा लिखे गए एक पत्र के जवाब का हवाला दिया। केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान की पृष्ठभूमि में पत्र में कुमार से भाजपा का समर्थन करने पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। यादव ने कहा, पत्र स्पष्ट रूप से बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार को संबोधित था, लेकिन प्रतिक्रिया संजय झा की ओर से आई। वह कौन हैं? जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य झा ने जवाबी पत्र में शाह का बचाव किया और कोविड महामारी के दौरान दिल्ली में बिहार के प्रवासियों को मुहैया कराए गए इलाज को लेकर गुस्सा निकालते हुए केजरीवाल की आलोचना की।

पुणे के स्कूल के प्राधानाचार्य की पिकनिक के दौरान डूबने से मौत

पुणे (ए.)। पुणे स्थित एक स्कूल के प्रधानाचार्य की शनिवार को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के काशीद तट पर डूबने से मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार अपराह्न को हुई जब पुणे के हवेली तालुका के महात्मा ज्योतिराव हाई स्कूल के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र देशमुख कुछ शिक्षकों के साथ मुरुद के काशीद समुद्र तट पर पिकनिक मनाने गए थे और तैर रहे थे। अधिकारी ने बताया, देशमुख के साथ आए शिक्षकों और समुद्र तटीय बचाव दल ने उन्हें पानी से बाहर निकाला और बोरली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। उन्हें बाद में अलीबाग के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुरुद पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

सरकार ने मनमोहन सिंह के लिए स्मारक को लेकर अनावश्यक विवाद खड़ा किया : गहलोत

जयपुर (ए)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि और स्मारक के विषय पर अनावश्यक रूप से विवाद खड़ा किया। उन्होंने कहा कि सरकार को खुद आगे आकर इस पर कदम उठाना चाहिए था। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने संवाददाताओं से कहा, राजस्थान के भैरों सिंह शेखावत जी उपराष्ट्रपति थे, वो जीवन भर में भाजपा में रहे। भाजपा मांग नहीं कर रही थी, फिर भी हमने (सरकार में रहते हुए) पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया और मूर्ति बनाई। लोग आज भी उस फैसले की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, दुनिया में मनमोहन सिंह की धाक थी। बराक ओबामा ने कहा था कि जब मनमोहन सिंह बोलते थे तो दुनिया सुनती थी। चाहे वह उदारीकरण हो, आर्थिक क्रांति हो, भारत-अमेरिका परमाणु समझौता हो,उनका व्यक्तित्व इतना विराट था कि उसे शब्दों में परिभाषित नहीं किया जा सकता। गहलोत ने कहा कि अगर मौजूदा सरकार खुद इसके लिए आगे आती तो विवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि सरकार ने अनावश्यक रूप से विवाद पैदा किया और कांग्रेस पर ही आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने निगमबोध घाट पर अंत्येष्टि के सरकार के फैसले पर सवाल खड़े करते हुए शुक्रवार को कहा था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पंजाब बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया

नई दिल्ली (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब में एक बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर शुक्रवार को गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पंजाब के बठिंडा जिले में एक निजी बस पुल की रेलिंग से टकराकर नाले में गिर गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पंजाब के बठिंडा में एक बस दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं सभी शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि इस दुर्घटना में घायल हुए सभी लोग शीघ्र स्वस्थ हों।

बीपीएससी परीक्षा विवाद, नामी शिक्षक गुरु रहमान को भेजा गया नोटिस

पटना,(आरएनएस)। पटना पुलिस ने प्रसिद्ध शिक्षक गुरु रहमान को नोटिस भेजा है। उन्हें थाने में आकर पेपर लीक संबंधित सबूत पेश करने को कहा गया है। मामला बीपीएससी परीक्षा पेपर लीक से जुड़ा है।गुरु रहमान को आज गर्दनीबाग थाना में बुलाया गया है और कहा गया है कि अगर उनके पास पेपर लीक होने के कोई सबूत हैं, तो उन्हें वह सबूत लेकर आना होगा। अगर वे नहीं आते हैं या उनके पास कोई सबूत नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि वे सरकार और बिहार लोक सेवा आयोग की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि गुरु रहमान नहीं आते या उनके पास कोई सबूत नहीं होता, तो उनके खिलाफ बिहार में राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने नई दिल्ली के कालकाजी स्थित एक सरकारी स्कूल में आयोजित मेगा पीटीएम में भाग लिया।

पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा का बड़ा दांव हार के डर से अपनी सीट बदल सकते हैं केजरीवाल

नई दिल्ली सीट से इस बार कांटे की टक्कर होने की उम्मीद

नई दिल्ली (ए)। भाजपा नेता और पश्चिम दिल्ली के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आप प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी सीट बदल सकते हैं। भाजपा नेता वर्मा ने कहा कि केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा के अलावा कहीं और से चुनाव लड़ सकते हैं। केजरीवाल 2013 से नई दिल्ली सीट से विधायक हैं और लगातार चौथी बार निर्वाचन क्षेत्र से आप उम्मीदवार हैं।वहीं वर्मा की पोस्ट पर आप की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पूर्व सांसद वर्मा ने दावा किया है कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव की तैयारी करने को कह दिया है। उन्होंने कहा, सूत्रों ने मुझे बताया है कि केजरीवाल अपनी सीट बदल सकते हैं। मैं बस केजरीवाल जी से कहना चाहता हूं कि कृपया नई दिल्ली विधानसभा सीट से भागें नहीं। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी ने बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा पर निशाना साधकर पैसा बांटने का आरोप लगाया था।सीएम आतिशी ने बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा था, केजरीवाल जिस नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते हैं, वहां बीजेपी वोटर कार्ड चेक करके लोगों को पैसे बांट रही है। आज प्रवेश वर्मा अपने सरकारी आवास पर पैसे बांटते पकड़े गए, जो उन्हें सांसद होने के नाते मिले थे। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों की झुग्गियों से महिलाओं को वहां बुलाकर एक लिफाफे में 1100 रुपये दिए गए। मैं ईडी और सीबीआई से कहना चाहता हूं कि वर्मा के घर पर अभी भी करोड़ों रुपये की नकदी पड़ी है, आप अभी जाइए।

30 दिसंबर को संदेशखाली जाएंगी ममता बनर्जी, विरोध प्रदर्शन के बाद होगा पहला दौरा

कोलकाता (ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह 30 दिसंबर को संदेशखाली की यात्रा करेंगी, जो कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शाहजहां शेख से जुड़े भूमि कब्जाने और यौन उत्पीड़न के आरोपों से संबंधित विरोध प्रदर्शनों के बाद उत्तरी 24 परगना में द्वीप की उनकी पहली यात्रा होगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 30 दिसंबर को संदेशखाली जाऊंगी। लोकसभा चुनाव से पहले कई लोगों ने मुझसे पूछा था कि मैं संदेशखाली कब आऊंगी। मैंने उनसे कहा था कि मैं वहां जाऊंगी। उत्तर 24 परगना जिले के 16 ग्राम पंचायत क्षेत्रों वाले संदेशखाली में इस साल 5 जनवरी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शाहजहां शेख के घर पर छापा मारने गई प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद हफ्तों तक तनाव देखा गया था। स्थानीय महिलाओं के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उन पर और उनके सहयोगियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया और अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाहजहाँ को फरवरी में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी की दिल्ली परिवर्तन यात्रा का कार्यक्रम टला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिल्ली के रोहिणी में होने वाली परिवर्तन यात्रा को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में घोषित सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक के मद्देनजर पुनर्निर्धारित किया गया है। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और भारत के 14वें प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार रात नई दिल्ली स्थित एम्स में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सिंह के निधन पर सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है, जो 1 जनवरी 2025 तक रहेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए कई सरकारी कार्यक्रमों को पुनर्निर्धारित किया गया है। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री मोदी की रोहिणी रैली के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरुआत करने की योजना बनाई थी, जिसे अब 5 जनवरी 2025 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा रैली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, 3 जनवरी को एक और बड़ी रैली निर्धारित है।

जम्मू-कश्मीर में ताजा बर्फबारी, बर्फ जमा होने के कारण बनिहाल-बारामुल्ला खंड पर ट्रेन सेवाएं स्थगित

श्रीनगर (ए)। कश्मीर में शनिवार को भारी बर्फबारी जारी रहने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। शुक्रवार को बर्फबारी शुरू हुई, जो श्रीनगर और घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में मौसम की पहली महत्वपूर्ण बर्फबारी थी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम, गुरेज, जोजिला एक्सिस, साधना टॉप, मुगल रोड और बांदीपुरा, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों के कई इलाकों में बर्फबारी हुई। श्रीनगर, गांदरबल, अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों के मैदानी इलाकों में इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग और मुगल रोड को बंद करना पड़ा। कश्मीर में न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे बना हुआ है, हालांकि शुक्रवार को इसमें थोड़ी राहत मिली। केंद्र शासित प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों ही सामान्य से नीचे बने हुए हैं - जो मौसम के इस समय के लिए असमान्य है। कम तापमान के कारण जल आपूर्ति पाइप में पानी जम गया है और डल झील सहित कई जल निकायों की सतह पर बर्फ की पतली परत जम गई। मौसम विभाग ने बताया कि श्रीनगर में बृहस्पतिवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 7.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर में न्यूनतम तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के समान ही था। विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में स्कीइंग गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से आठ डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वर्तमान में कश्मीर घाटी चिल्ला-ए-कलांज (भयंकर सर्दी) की चपेट में है। इसे सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है, जो 21 दिसंबर से शुरू हुआ था।

मनमोहन सिंह स्मारक विवाद के बीच प्रणब मुखर्जी की बेटी ने की कांग्रेस की आलोचना

नईदिल्ली (आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह के समाधि स्थल पर चल रहे विवाद के बीच पूर्व राष्टपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की आलोचना की है।दरअसल, उन्होंने मुखर्जी के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक आयोजित न किए जाने को लेकर पार्टी पर हमला बोला है।हालांकि, उन्होंने मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक स्थल के लिए जमीन आवंटित करने पर केंद्र से कांग्रेस के अनुरोध का समर्थन किया है।शर्मिष्ठा ने एक्स पर लिखा, जब बाबा (प्रणब मुखर्जी) का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक सभा के लिए सीडब्ल्यूसी को बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि राष्टपतियों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। यह पूरी तरह बकवास है क्योंकि मुझे बाद में बाबा की डायरी से पता चला कि केआर नारायणन की मृत्यु पर, सीडब्ल्यूसी को बुलाया गया था और शोक संदेश बाबा द्वारा ही तैयार किया गया था।

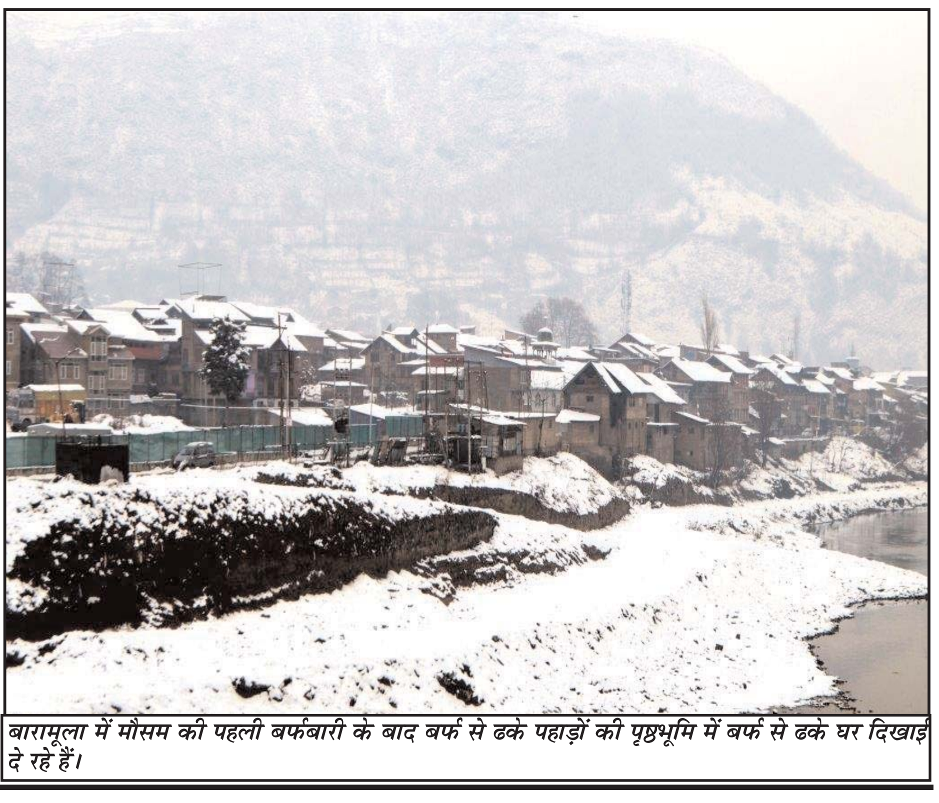

बारामूला में मौसम की पहली बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके पहाड़ों की पृष्ठभूमि में बर्फ से ढके घर दिखाई दे रहे हैं।

सिनेमाघरों में दोबारा धमाल मचाएगी ये जवानी है दीवानी, निर्माताओं ने पोस्ट साझा कर उठाया तारीख से पर्दा

इस महीने की शुरुआत में करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने ये जवानी है दीवानी के बारे में एक सस्पेंस के साथ शेयर की थी, जिससे प्रशंसक इसके संभावित सीक्वल के बारे में अटकलें लगा रहे थे। हालांकि, री-रिलीज के चलन को देखते हुए रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की यह फिल्म 2025 में फिर से सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

निर्माताओं ने आज फिल्म का पोस्टर साझा कर इसकी री-रिलीज का एलान किया। साथ ही तारीख से भी पर्दा उठाया। पीवीआर आईनॉक्स बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक ये जवानी है दीवानी को 3 जनवरी, 2025 को 46 शहरों के 140 पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में वापस ला रहा है। यह धर्मा प्रोडक्शंस की कल हो ना हो की सफल री-रिलीज के बाद हो रहा है। इसके अलावा, 2024 में, तुम्बाड, वीर जारा और रहना है तेरे दिल में जैसी कई फिल्में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुईं और फिल्म देखने वाले इन फिल्मों का जादू एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। निर्माता करण जौहर ने ये जवानी है दीवानी की री-रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ये जवानी है दीवानी धर्मा प्रोडक्शंस के दिल में एक खास जगह रखती है।

आइटम सॉन्ग के साथ पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी निक्की तंबोली पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। वह जल्द ही फिल्म बदनाम के आइटम सॉन्ग में नजर आएंगीं। यह फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है।निक्की ने कहा, मैं बदनाम का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। यह एक ऐसा गाना है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा और मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं।

निक्की हमेशा से ही कुछ नया करने की तलाश में रहती है और बदनाम बस इसी का एक और उदाहरण है।

निक्की तंबोली ने गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसकों को यह गाना उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इस गाने पर काम करने में मजा आया।

इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है। बदनाम फरवरी 2025 में रिलीज होने वाली है। यह जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि अभिनीत एक रोमांटिक ड्रामा है।

निक्की के करियर पर एक नजर डाले तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। 2019 में उन्होंने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिथाकोटुडु से अपने अभिनय की शुरुआत की।

बाद में उन्होंने एक्शन हॉरर फिल्म कंचना 3 में दिव्या के रूप में तमिल में अपनी शुरुआत की। कंचना 3. उनकी तीसरी फिल्म तेलुगु में थिप्पारा मीसम थी। 2020 में, उन्होंने हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं।2021 में उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 11 में भाग लिया। इस शो को केपटाउन में फिल्माया गया थ। ह 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा उन्हें कई म्यूजिक वीडियो सहयोग में भी देखा गया था।2022 में वह गेम शो द खतरा खतरा शो में देखी गईं, जिसे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।निक्की ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा में कॉकटेल गाने में एक विशेष भूमिका निभाई। 2024 में वह रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात अरबाज पटेल से हुई, जिन्हें स्प्लिट्सविला 15 में भी देखा गया था। उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई जब वे बिग बॉस मराठी 5 में प्रतियोगी थे। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया।

अर्जुन कपूर बोले- मैं सिंगल हूं बयान पर मलाइका ने दिया चौंकाने वाला जवाब

मुम्बई(ईएमएस)। फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर काफी समय से साथ थे। दोनों साथ में वेकेशन और डेट पर जाते थे। सोशल मीडिया पर भी दोनों ने कभी अपने प्यार को छुपाया नहीं, लेकिन काफी समय से साथ रह रहे इस कपल ने इस साल ब्रेकअप कर लिया। सिंघम अगेन के एक इवेंट के दौरान तो अर्जुन ने सबके सामने कह दिया कि मैं अब सिंगल हूं। अब अर्जुन के इस स्टेटमेंट पर मलाइका का रिएक्शन आया है। मलाइका ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं बहुत ही प्राइवेट पर्सन हूं और मेरी लाइफ के कुछ एसपेक्ट्स हैं जिनको लेकर मैं ज्यादा बताना नहीं चाहती। मैं कभी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात नहीं करने वाली हूं तो जो भी अर्जुन ने कहा वो उनकी मर्जी है। दरअसल, सिंघम अगेन के एक इवेंट के दौरान वहां मौजूद भीड़ ने मलाइका का नाम बोलना शुरू कर दिया। इस पर अर्जुन ने सबके सामने कहा कि नहीं अब मैं सिंगल हूं, रिलैक्स करो।

मलाइका के बुरे वक्त में अर्जुन थे साथ

बता दें कि ब्रेकअप के बाद मलाइका के पिता का निधन हो गया था और उस वक्त अर्जुन उनके साथ खड़े रहे। वह इस दौरान मलाइका को लेकर काफी प्रोटेक्टिव भी दिखे थे जिस वजह से उनकी सोशल मीडिया पर खूब तारीफ भी हुई तो जब इस बारे में अर्जुन से पूछा गया तो उन्होंने कहा था, मैं कहूंगा कि जब खुशी और जाह्नवी के साथ एक हादसा हुआ(श्रीदेवी का निधन) तो उस वक्त भी ऐसा ही हुआ था। अगर मेरा किसी के साथ इमोशनल बॉन्ड है तो मैं उस इंसान के बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रहूंगा। अगर मैं किसी के साथ इमोशनी अटैच्ड हूं तो मैं पूरी लाइफ उसके लिए रहूंगा।

पुष्पा 2 और मुफासा के आगे फुस्स हुई बेबी जॉन, बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन की कमाई 5 करोड़ से भी कम

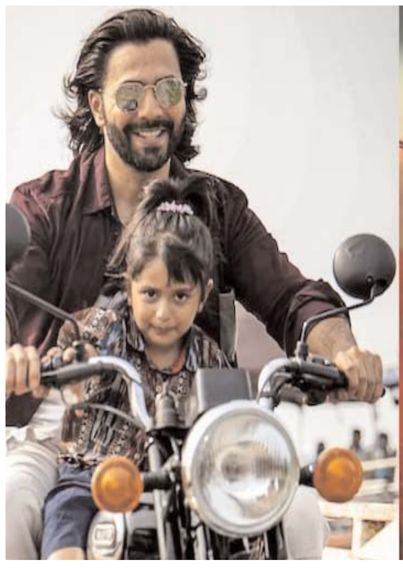

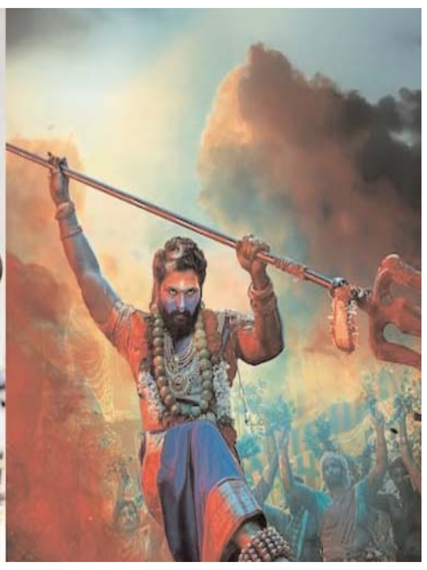

बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस पर अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 से टकरा रही है. सुकुमार की निर्देशित फिल्म के आगे वरुण धवन की फिल्म फुस्स होती दिख रही है. हालांकि बेबी जॉन ने ओपनिंग डे बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की, लेकिन, दूसरे दिन वरुण धवन की नई फिल्म में भारी गिरावट दर्ज की गई.

सैकनिल्क के अनुसार, बेबी जॉन को ओपनिंग डे पर क्रिसमस हॉलिडे का फायदा मिला. इसने भारत में 11.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की. दूसरे दिन यानी गुरुवार को कलेक्शन में भारी गिरावट आई, और फिल्म ने शुरुआती अनुमान के अनुसार केवल 4.5 करोड़ रुपये ही कमाए. फिल्म की हिंदी ऑक्यूपेंसी लगभग 11.09 प्रतिशत रही.

चूंकि फिल्म बुधवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, इसलिए इसके पास अभी भी अपने नंबरों को पकड़ने के लिए वीकेंड है. अगर फिल्म में कोई उछाल नहीं आता है, तो फिल्म 50 करोड़ रुपये के लाइफटाइम कलेक्शन के साथ ही खत्म हो सकती है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म बनाने में मेकर्स ने कुल 160 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. अपने बजट को ध्यान में रखते हुए, बेबी जॉन को बॉक्स ऑफिस पर सफल होने के लिए कम से कम 190-200 करोड़ रुपये की कमाई करनी होगी. वरुण धवन की फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्मों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें एक साउथ इंडियन फिल्म पुष्पा 2- द रूल और दूसरी डिज्नी फिल्म मुफासा- द लॉयन किंग है. 5 दिसंबर को रिलीज अल्लू अर्जुन की फिल्म दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही

अक्षय कुमार की भूत बंगला से जुड़ीं तब्बू, यह सितारे भी स्टार कास्ट में हुए शामिल

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके निर्देशन की कमान प्रियदर्शन ने संभाली है। एकता कपूर इस फिल्म का निर्माण कर रही हैं।अब खबर आ रही है कि दिग्गज अभिनेत्री तब्बू फिल्म भूत बंगला की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं।अक्षय और प्रियदर्शन के साथ यह तब्बू का दूसरा सहयोग है। इससे पहले तीनों हेरा फेरी (2000) में साथ काम कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तब्बू को भूत बंगला में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया और उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है।तब्बू ने फिल्म के लिए हामी भर दी है। वह जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर देगी।इसके अलावा वामिका गब्बी भी फिल्म की कास्ट में शामिल हो गई हैं। भूत बंगला में वह अक्षय की प्रेमिका का किरदार निभाएंगी।अक्षय, तब्बू और वामिका के अलावा भूत बंगला में परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की तिकड़ी भी दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएगी। फिल्म की कहानी काले जादू पर आधारित बताई जा रही हैं। अक्षय और प्रियदर्शन 14 साल बाद फिर से साथ आए हैं।भूत बंगला को 2 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।अक्षय के पास हाउसफुल 5, स्काई फोर्स, वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3 और कन्नप्पा जैसी फिल्में भी हैं।

रास्पबेरी का खट्टा-मीठा स्वाद कर देगा मन को तृप्त, इससे बनाएं ये 5 मीठे व्यंजन

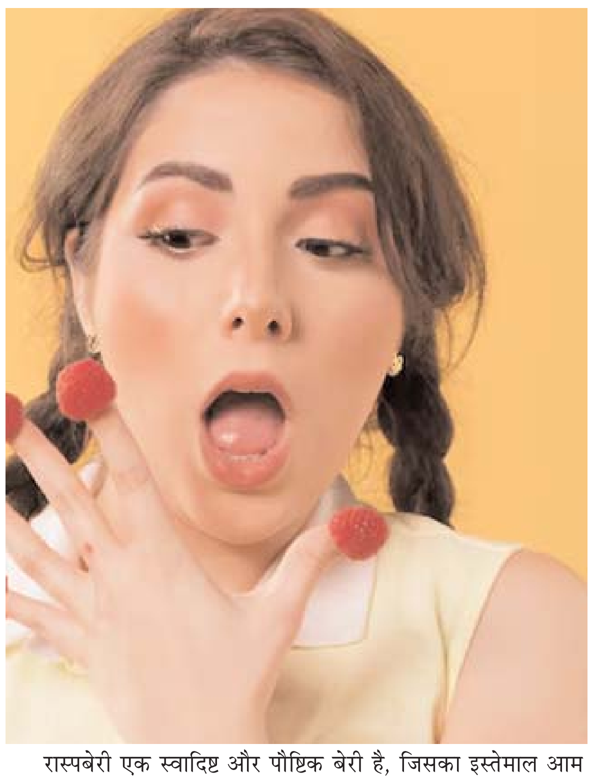

रास्पबेरी एक स्वादिष्ट और पौष्टिक बेरी है, जिसका इस्तेमाल आम तौर पर विदेशी व्यंजनों में किया जाता है। इसका खट्टी-मीठी स्वाद और लाल रंग किसी भी व्यंजन को आकर्षक बना देता है।इस स्वादिष्ट बेरी से आप कई तरह के मीठे व्यंजन भी बना सकते हैं। आज के लेख में हम आपको रास्पबेरी से बनने वाली 5 भारतीय मिठाइयों की रेसिपी बताएंगे।अगर अपने इन्हें एक बार बनाया तो आप इन्हें बार-बार खाना चाहेंगे।

रास्पबेरी गुलाब जामुन

आपने गुलाब जामुन कई बार खाए होंगे, लेकिन इस बार रास्पबेरी गुलाब जामुन का स्वाद चखें। इसके लिए मावा और मैदा मिलाकर छोटे गोले बनाएं।इन्हें हल्के गर्म तेल में तलें, जब तक ये सुनहरे भूरे न हो जाएं। अब चीनी की चाशनी तैयार करें और उसमें थोड़ी रास्पबेरी प्यूरी मिलाएं।तले हुए गुलाब जामुन को इस चाशनी में डालकर कुछ देर छोड़ दें, ताकि वे रसपोषित हो सकें। यह मिठाई घर आए मेहमानों को भी खूब पसंद आएगी।

रास्पबेरी बर्फी

बर्फी हर किसी को पसंद होती है। इसमें रास्पबेरी का स्वाद जोड़ने से इसका मजा और बढ़ सकता है। रास्पबेरी बर्फी बनाने के लिए खोया और चीनी को धीमी आंच पर पकाएं, जब तक वह गाढ़ा न हो जाए।इसमें ताजी पिसी हुई रास्पबेरी डालकर मिला लें। इस मिश्रण को घी लगी प्लेट पर फैलाकर ठंडा होने दें और मनचाहे आकार में काट लें।यह बर्फी देखने में खूबसूरत लगेगी और खाने वालों को पसंद आएगी।

रास्पबेरी शाही टुकड़ा

शाही टुकड़ा एक पारंपरिक उत्तर भारतीय मिठाई है, जिसे खास बनाने के लिए आप रास्पबेरी का इस्तेमाल कर सकते हैं।इसके लिए ब्रेड स्लाइस को घी में तलकर अलग रख दें। अब दूध को गाढ़ा करके उसमें चीनी और इलायची डालें और अंत में थोड़ी-सी रास्पबेरी प्यूरी मिलाएं।तली हुई ब्रेड स्लाइस पर यह मिश्रण डालें, ऊपर से कटे हुए बादाम और पिस्ता छिड़कें और ठंडा करके परोसें। इसे खा कर आपका मन तृप्त महसूस करने लगेगा।

रास्पबेरी कुल्फी

आप कुल्फी के स्वाद को दोगुना करने के लिए उसमें रास्पबेरी मिला सकते हैं। रास्पबेरी कुल्फी तैयार करने के लिए सबसे पहले दूध को गाढ़ा करके उसमें कंडेंस्ड मिल्क मिलाएं।इसे अच्छी तरह फेंट लें, ताकि कोई गांठ न रहे। अब इसमें ताजी पिसी हुई रास्पबेरी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।इस मिश्रण को कुल्फी के सांचें में भरकर फ्रीजर में जमने दें। जमने के बाद इसे सांचें से निकालकर परोसें।

रास्पबेरी संदेश

संदेश बंगाल की प्रसिद्ध मिठाई है, जिसमें आप रास्पबेरी का खट्टा-मीठा स्वाद जोड़ सकते हैं। रास्पबेरी संदेश बनाने के लिए छेना तैयार करें।इसमें चीनी पाउडर और इलायची पाउडर मिलाकर अच्छे से मसलें, ताकि वह चिकना हो जाए। अब इसमें ताजी पिसी हुई रास्पबेरी मिलाकर छोटे-छोटे गोले बनाएं।इन्हें मनचाहा आकार देकर फ्रिज में रख दें, ताकि ये सेट हो सकें। आप यह संदेश खास अवसरों और त्योहारों पर बना सकते हैं, जो मेहमानों को खूब पसंद आएगा।

जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा, अगले साल 7 फरवरी को रिलीज होगी लवयापा

फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट ने आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की डेब्यू फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है. इस फिल्म को अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है और इसका नाम है लवयापा. आने वाली ये रोमांटिक-कॉमेडी बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है. फिल्म की यंग और फ्रेश एनर्जी दर्शकों को खूब पसंद आएगी. फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं इन दो उभरते सितारों की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने के लिए, जो मॉडर्न रोमांटिक-कॉमेडी को एक नया अंदाज देने वाले हैं.लवयापा प्यार और उसकी उलझनों की कहानी है, जिसमें मस्ती और हंसी का तड़का है. यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास तोहफा बनने वाली है. इस बड़े प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं दो दमदार प्रोडक्शन हाउस- फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट. फैंटम स्टूडियोज का नाम हमेशा बेहतरीन हिट फिल्मों को बनाने के लिए जाना जाता है, जबकि एजीएस एंटरटेनमेंट ने कई हिट फिल्में दी हैं. इन दोनों के साथ आने से लवयापा में खास जोश और एनर्जी देखने को मिलने वाली है.लवयापा एक मॉडर्न रोमांस है, जो दिल को छू लेने वाली कहानी, बेहतरीन परफॉर्मेंस, मजेदार म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स से भरपूर है.

2025 के लिए हेल्थी डाइट, नए साल के रिजोल्यूशन में जरूर करें शामिल

नया साल आने वाला है. इसके लिए अभी से लोगों ने तैयारी शुरू कर दी है. अगर आप भी आने वाले साल में स्वस्थ रहना चाहते हैं तो उसके लिए आपको अपनी डायट हेल्थी बनानी होगी. इसके साथ ही वर्कआउट भी करना होगा. नए साल के आप अगर कुछ रिजोल्यूशन लेने का सोच रहे हैं तो उसमें हेल्थी डायट को जरूर शामिल करें. इससे आपका आने वाला साल बहुत अच्छा गुजरेगा. आइए जानते हैं डाइट के बारे में. डायट हेल्थी

वजन घटाएगी एंटी इन्फ्लेमेटरी डाइट

कुछ समय पहले एक्ट्रेस विद्या बालन ने अपने वेट लॉस के बारे में एक अहम जानकारी दी थी. उन्होंने बताया था कि बिना वर्कआउट के उन्होंने एंटी इन्फ्लेमेटरी डाइट की मदद से वजन कम किया. सूजन रोधी डाइट में मुख्य रूप से फल, सब्जियां, नट्स, ओमेगा 3 से भरपूर फिश शामिल होती है. ये डाइट न सिर्फ वजन घटाती है बल्कि डायबिटीज जैसी बीमारी के खतरे को भी कम करती है. 2025 में एंटी इन्फ्लेमेटरी डाइट लोगों की पसंदीदा लिस्ट में पहले नंबर पर रहेगी.

चीनी को छोड़कर खजूर का करें यूज

एंटीऑक्सीडेंट जैसे पॉलीफेनोल, टैनिन और फ्लेवोनोइड्स से भरपूर खजूर 2025 में चीनी की जगह काफी हद तक इस्तेमाल किया जाएगा. वैसे तो चीनी को पूरी तरह से खजूर रिप्लेस नहीं कर पाएगा लेकिन हेल्थ कॉन्शियस लोग मिठास के लिए खजूर का ज्यादा इस्तेमाल करेंगे. खजूर में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन ए भी होता है जो इसे मीठा पावरहाउस बनाता है. आप भी नए साल में चीनी कम और खजूर की मात्रा बढ़ा सकते हैं.

प्लांट बेस्ड प्रोटीन लें

2025 में अपनी डाइट में प्लांट बेस्ड प्रोटीन जरूर शामिल करें. नट्स, पनीर, बींस आदि का सेवन आपको सालभर हेल्दी रखेगा. हेल्दी डायजेशन के लिए प्लांट बेस्ड प्रोटीन का सेवन अच्छा माना जाता है. नॉनवेज प्रोटीन से हटकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन लोगों में पॉपुलर हो रही है.

चाय का शौक रहेगा बरकरार

2025 में भी चाय का शौक बरकरार रहेगा. साल 2025 में भी चाय लोगों की पसंद रहेगी. ग्रीन टी से लेकर हर्बल टी का क्रेज सर्दियों में खूब जाता है. हर्बल टी से इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद मिलती है.

ऑकलैंड ओपन से हटी हालेप

मेलबर्न (ए)। रोमानिया की दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप घुटने और कंधे में दर्द के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मुकाबलकों से हट गयी है। हालेप ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस लेने की बात कही है। हालेप ने कहा कि अबुधाबी में एक प्रदर्शनी मैच में भाग लेने के बाद से ही वह पूरी तहर से फिट नहीं हैं। हालेप ने कहा कि कि अपनी टीम के साथ बात करने के बाद सभी इस बात पर सहमत हुए कि सत्र की शुरुआत में देरी करना ही ठीक रहेगा। अब वह रोमानिया में ही होने वाले ट्रांसिल्वेनिया ओपन से वापसी करेंगी। ये टूर्नामेंट तीन फरवरी से शुरू होगा। वहीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मैच छह जनवरी से शुरू होंगे और मुख्य 12 जनवरी से आरंभ होगा।

लवलीना विश्व मुक्केबाजी के एथलीट आयोग में शामिल

नई दिल्ली (ए) । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। । नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा।बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।''एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने

के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

बॉक्सिंग डे टेस्टः पंत के आउट होने पर झल्लाए गावस्कर, बोले ये बेवकूफी भरा शॉट था

मेलबर्न,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच मेलबर्न के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का चौथा टेस्ट मैच खेला जा रहा है।इस मुकाबले के तीसरे दिन एक बड़ा बवाल देखने को मिला। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक खराब शॉट खेलकर 28 रन बनाकर आउट हो गए।इसके बाद कॉमेंट्री कर रहे पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर आग बबूला हो गए और उन्हें काफी कुछ सुनाया।गावस्कर ने गुस्से में कहा,बेवकूफ, बेवकूफ और बेवकूफ। वहां 2 फिल्डर हैं और आप फिर भी ऐसा करते हो। आप पिछला शॉट मिस कर चुके थे और देखो आप कहां कैच आउट हुए हो। यह अपना विकेट फेंकना है। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। मुझे माफ करना। यह एक बेवकूफी भरा शॉट है। यह अपनी टीम को बुरी तरह निराश करना है। उन्हें उस ड्रेसिंग रूम में नहीं बल्कि दूसरे में जाना चाहिए।पंत इस सीरीज में कुछ खास नहीं कर पाए हैं। पर्थ टेस्ट में उनके बल्ले से 1 और 37 के स्कोर निकले थे। इसके बाद दूसरे टेस्ट में उन्होंने सिर्फ 21 और 28 रन बनाए।ब्रिस्बेन टेस्ट में पंत के बल्ले से 9 रन निकले। मेलबर्न की पहली पारी में उनसे एक बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह 37 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। उनके बल्ले से 3 चौके निकले।पंत को स्कॉट बोलैंड ने आउट किया।

नितीश के शानदार शतक से भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाकर शानदार वापसी की

सुंदर के साथ हुई शतकीय साझेदारी

मेलबर्न (ए)। नितीश कुमार रेड्डी के शानदार शतक नाबाद 105 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतक की सहायता से भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 358 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर मेजबान ऑस्ट्रेलिया से 116 रनों से पीछे है। तीसरे सत्र के बाद खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया। ऐसे में खेल समाप्त होने की घोषणा कर दी गयी। उस समय नितीश 105 और मोहम्मद सिराज 2 रनों पर खेल रहे थे। नीतीश ने 176 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर शतक लगाया। उनकी वाशिंगटन सुंदर के साथ की हुई 127 रनों की साझेदारी के बल पर भारतीय टीम ने मैच में जबरदस्त वापसी की। इस प्रकार भारतीय टीम ने न केवल फॉलोआन बचाया बल्कि ऑस्ट्रेलिया को करारा जवाब भी दिया। तीसरे दिन के खेल का आकर्षण नितीश और सुंदर के बीच हुई शतकीय साझेदारी रही जिसने मेजबान टीम की सभी चालों को विफल कर दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन के पांच विकेट पर 164 रनों से आगे खेलते हुए ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा अधिक देर नहीं टिक पाये ऋषभ 28 और रविन्द्र जडेजा 17 पर आउट हुए। इसके बाद नितीश ओर सुंदर ने मोर्चा संभालते हुए मेजबान टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की नितीश के आगे मेजबान टीम की एक न चली।इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। जिसके जबाब में भारत की आधी टीम 164 पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। ऐसे में उसपर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा था पर नीतीश व सुंदर

ने अपनी साझेदारी से उसे टाल दिया। इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 3 रनों पर ही आउट हो गये। इसके अलावा केएल राहुल भी 24 रन बना पाए थे। यशस्वी जायसवाल ने 86 रनों की पारी खेली और विराट कोहली के साथ 102 रनों की साझेदारी की। विराट के 36 रनों पर आउट होने के बाद भारतीय टीम ने दो विकेट छह रनों के अंतराल पर ही खो दिये जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ी गयीं। वहीं दूसरे दिन यशस्वी जायसवाल की 82 रनों की शानदार पारी की सहायता से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 6 और रविन्द्र जडेजा 4 रनों पर खेल रहे थे। वही इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए । दूसरे दिन के खेल में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही। बल्लेबाजी के दौरान जहां स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने आधी भारतीय टीम को पेवेलिन भेज दिया।अंतिम सत्र में मेजबान टीम हावी हो गयी। 474 रनों का पीछ करते हुए एक समय भारतीय टीम ने दो विकेट पर 153 रन बनाये थे। इसके बाद छह रनों के अंददर ही भारतीय टीम ने तीन और विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बदकिस्मती से रन आउट हो गये। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय टीम दबाव में आ गयी। यशस्वी 82 रन बना सके जबकि विराट कोहली ने 36 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे आकाश दीप भी शून्य पर ही आउट हो गये। भारतीय पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

रिकार्ड पांचवें फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे पटना पाइरेट्स

पुणे,(ए)। रोमांच से भरे दूसरे सेमीफाइनल में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी को हराते हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल में जगह बना ली है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार रात को हुए इस मुकाबले में पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया। अब 29 दिसंबर को फाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा, जिसने सेमीफाइनल-1 में यूपी योद्धाज को हराया।

पटना की जीत में अयान और देवांक (8-8 अंक) के अलावा डिफेंस से शुभम शिंदे (5), अंकित (4) और दीपक (3) का अहम रोल रहा। पटना के डिफेंस ने 9 के मुकाबले 12 अंक लिए। दिल्ली ने देर से ही सही रेडिंग में बेहतर करते हुए 16 के मुकाबले 17 अंक लिए। इसमें आशू (9) और मोहित (7) चमके।

चौथे खिताब के लिए बेकरार पटना की टीम ने शुरुआती 10 मिनट में 8-3 की लीड बना ली थी। देवांक और अयान लगातार अंक ले रहे थे और डिफेंस भी खुलकर खेल रहा था। दूसरी ओर, दिल्ली के रेडर्स और डिफेंडर संघर्ष करते दिख रहे थे। एक समय दिल्ली ने स्कोर 3-4 कर दिया था लेकिन इसके बाद पटना ने लीड दोगुना से अधिक करते हुए दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने मचाई तबाही, श्रीलंकाई गेंदबाजों का बना दिया मजाक

नईदिल्ली (ए)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच 3 टी 20 मैचों की सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने तूफानी पारी खेलते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और कीवी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया. कीवी टीम की कमान मिशेल सेंटनर के हाथ में है. बतौर आधिकारिक कप्तान उनका ये पहला मैच है।

5 वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेरिल मिचेल ने पहले खुद को समय दिया. लेकिन एक बार जब क्रीज पर जम गए उसके बाद लंका के गेंदबाजों के लिए वे काफी खतरनाक हो गए. महिश थिक्षाणा की गेंद पर आउट होने से पहले मिचेल ने 42 गेंद में 4 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 62 रन की पारी खेली.

डेरिल मिचेल के बाद माइकल ब्रेसवेल ने लंका के गेंदबाजों की खबर ली. ब्रेसवेल ने 33 गेंद में 4 चौके और 4 छक्के लगाते हुए 59 रन की पारी खेली. मिचेल के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 105 रन की साझेदारी भी की जिसकी वजह से कीवी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन बना सकी. इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज नहीं चला।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. हालांकि कीवी टीम को सस्ते में समटेने की योजना कामयाब नहीं हो सकी. मथिश पाथिराना सबसे महंगे गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में 60 रन लुटाए और सिर्फ 1 विकेट ले सके. बिनुरा फर्नांडो महिश थिक्षाणा और वानिंदु हसरंगा को 2-2 विकेट मिले. 173 रन का लक्ष्य हासिल करने और सीरीज में बढ़त बनाने के लिए श्रीलंका को अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी जो आसान नहीं होने वाली है।

विदेश समाचार

अब बांग्लादेश पुलिस को हिंदू मुक्त बनाने की तैयारी, युनूस सरकार ने भर्तियों पर लगाई रोक

ढाका ,(आरएनएस)। बांग्लादेश में हिंदू विरोधी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही। अब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश को हिंदू मुक्त बनाने की दिशा में काम कर रहे है। इसके तहत

गृह मंत्रालय और लोक सेवा आयोग ने एक आदेश भी जारी किया है, जिसके अनुसार कांस्टेबल से लेकर पुलिस के उच्च पदों पर अब किसी भी हिंदू की नियुक्ति नहीं की जाएगी। इस आदेश के कारण 1500 से ज्यादा हिंदुओं के आवेदन भी खारिज किए गए हैं।

गौर हो कि शेख हसीना के सत्ता से बाहर जाने के बाद से ही बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं के खिलाफ काम किया जा रहा है। शुरुआत में सहायक पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक और डीआईजी रैंक के सौ से ज्यादा हिंदू पुलिस अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इनकी जगह उग्रवादियों, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी के सदस्यों को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

इसके साथ ही करीब 79 हजार पुलिसकर्मियों की नियुक्तियां रद्द की जा रही हैं। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया पिछले साल अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। अब अगली भर्ती प्रक्रिया अगले जनवरी से शुरू होगी। गौर हो कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं। पहले धार्मिक स्थलो, उनके प्रतिष्ठानों पर हमले किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सभी हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है।

जंगल में लगी आग ने अर्जेंटीना में नेशनल पार्क के 1,400 हेक्टेयर इलाके को किया नष्ट

ब्यूनस आयर्स,(आरएनएस)। दक्षिणी अर्जेंटीना के रियो नीग्रो प्रांत में जंगल की आग ने नहुएल हुआपी राष्ट्रीय उद्यान की लगभग 1,450 हेक्टेयर ज़मीन को नष्ट कर दिया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, शुक्रवार को पार्क प्रशासन ने एक रिपोर्ट में बताया कि बुधवार को पार्क के दक्षिणी हिस्से में आग लगी थी, जो अब लेक मार्टिन के उत्तरी हिस्से तक फैल गई है। यह क्षेत्र पहले ही 2022 में लगी जंगल की आग से बर्बाद हो चुका था।

इसमें कहा गया, सुरक्षा के लिहाज से, संरक्षित क्षेत्र के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में रास्तों को बंद कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आग के पीछे के हिस्से में अग्निशमन प्रयासों को बढ़ाने और बचाव दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 46 अग्निशामकों को तैनात किया गया था। इसके अलावा, जंगल की आग से निकलने वाले धुएं की वजह से दृश्यता बहुत खराब हो गई, इससे हवाई मदद संभव नहीं हो पाई।स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, जंगल की आग का धुआं पहले ही बारिलोचे शहर को प्रभावित कर रहा है, जो अर्जेंटीना के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह शहर सर्दियों में स्की ढलानों और गर्मियों में झीलों और पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है।2024 में अर्जेंटीना के मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य हिस्सों में जंगल की आग का बड़ा प्रकोप हुआ, इससे जंगलों और कृषि भूमि का काफी हिस्सा नष्ट हो गया। सूखा और गर्मी के कारण अगस्त और इस सी सितंबर में जंगल में लगी आग और तेज हो गई।ब्राजील और पेरू जैसे कई अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों में भी भीषण गर्मी के कारण जंगल में जगी विनाशकारी आग से भारी नुकसान हुआ।अर्जेंटीना के अधिकारियों के अनुसार, इस साल जंगल की आग ने कम से कम 91,540 हेक्टेयर (226,200 एकड़) जमीन को जला दिया।

ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले कैंपस लौटें..अमेरिकी विश्वविद्यालयों की 11 लाख छात्रों से अपील

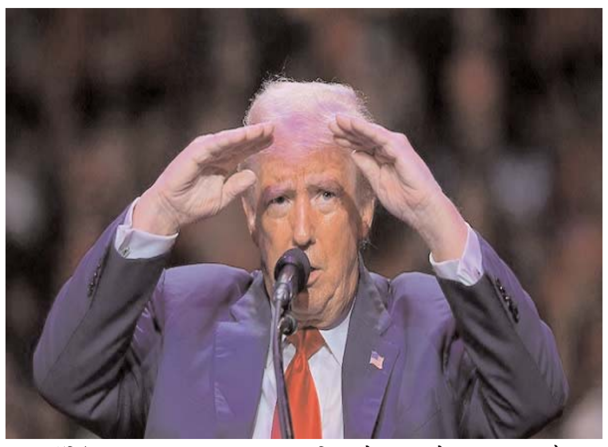

वॉशिंगटन ,(आरएनएस)। राष्ट्रपति-चुने गए डोनाल्ड ट्रम्प के 20 जनवरी 2025 के शपथ ग्रहण की तैयारी के बीच, अमेरिका के कई कॉलेज परिसरों में विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच चिंता और अनिश्चितता का माहौल छा गया है। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में 1.1 मिलियन से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र अमेरिकी संस्थानों में नामांकित हैं, और ट्रम्प के कड़े आव्रजन नीतियों के अभियान वादों, जिसमें उनके पिछले यात्रा प्रतिबंध का विस्तार और रेडिकल एंटी-अमेरिकन और एंटीसेमिटिक विदेशी नागरिकों के छात्र वीजा को निरस्त करना शामिल है, ने व्यापक चिंता पैदा कर दी है। देशभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों जैसे न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को सर्दियों की छुट्टियों से पहले ही अमेरिका लौटने की सलाह दी है। यह सावधानीपूर्वक कदम संभावित कार्यकारी आदेशों से उत्पन्न होने वाले यात्रा और वीजा प्रसंस्करण में व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से है, जो ट्रम्प के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद लागू हो सकते हैं। प्रमथ प्रताप मिश्रा, 23 वर्षीय भारतीय छात्र जिन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से राजनीति विज्ञान में स्नातक किया है, ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए डरावना समय है। जिसमें पिछले वर्ष 27,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र थे, ने छात्रों को अमेरिका के बाहर यात्रा योजनाओं को छोटा करने या रद्द करने की सलाह दी है ताकि किसी भी प्रकार की जटिलताओं से बचा जा सके।कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ऑफिस ऑफ ग्लोबल लर्निंग ने विशेष रूप से यह सिफारिश की है कि विदेश यात्रा करने वाले छात्र 21 जनवरी को शुरू होने वाले वसंत सत्र से पहले लौट आएं। इस कार्यालय ने चेतावनी दी है कि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान प्रभावित देशों जैसे कि किर्गिज़स्तान, नाइजीरिया, म्यांमार, सूडान, तंजानिया, ईरान, लीबिया, उत्तर कोरिया, सीरिया, वेनेजुएला, यमन, और सोमालिया सहित देशों को लक्षित करते हुए यात्रा प्रतिबंधों का विस्तार हो सकता है, और संभवतः चीन और भारत जैसे नए देशों को भी शामिल किया जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन के निधन पर जताया शोक

कहा-भारत-अमेरिका संबंध किए मजबूत, वह सच्चे राजनेता, दयालु और विनम्र व्यक्ति थे

वाशिंगटन, (आरएनएस)। भारत के पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक प्रकट किया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक बयान जारी किया, जिसमें बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया।

बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं भारत के लोगों के साथ भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच आज जो अभूतपूर्व सहयोग है, वह मनमोहन सिंह की रणनीतिक दृष्टि और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं होता। अमेरिका और भारत सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट से लेकर इंडो-पैसिफिक साझेदारों के बीच पहले क्वाड की शुरुआत तक मनमोहन सिंह ने ऐसी ऐतिहासिक प्रगति की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया जो हमारे देशों और दुनिया को आने वाली पीढ़ियों तक मजबूत बनाए रखेंगी।बाइडेन ने मनमोहन सिंह को एक सच्चे राजनेता, एक समर्पित सार्वजनिक सेवक और एक दयालु और विनम्र व्यक्ति बताया है। उन्होंने मनमोहन के साथ अपनी व्यक्तिगत मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि मुझे 2008 में सिनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में और 2009 में उपराष्ट्रपति के रूप में उनके आधिकारिक राज्य दौरे के दौरान मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर मिला था। 2013 में उन्होंने मेरा नई दिल्ली में ससम्मान स्वागत किया।

अमेरिका में बेघरों की रिकॉर्ड संख्या, सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर लाखों लोग

न्यूयॉर्क ,(आरएनएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका में आवास संकट गहरा गया है। संघीय आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बेघरों की संख्या सबसे अधिक रही। शुक्रवार को जारी अमेरिकी आवास और शहरी विकास विभाग (एचयूडी) की रिपोर्ट की मानें तो जनवरी 2024 में एक रात में बेघरों की संख्या 7,71,480 थी जो 2023 से 18.1 फीसदी ज्यादा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इलिनोइस, हवाई और अन्य राज्यों में बेघरों की संख्या मं सबसे अधिक वृद्धि हुई। इन जगहों पर किफायती घरों की चुनौती और प्रवासियों की संख्या बढ़ने के कारण स्थिति और बिगड़ी है।

एचयूडी डाटा के अनुसार, इलिनोइस में बेघर लोगों की संख्या 116.2 प्रतिशत बढ़ी, जिससे इसकी बेघर आबादी 25,832 हो गई। शिकागो क्षेत्र में इस वृद्धि का 91 प्रतिशत हिस्सा प्रवासियों का था। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में आपातकालीन आश्रयों में 13,600 से अधिक प्रवासी और शरणार्थी थे। हवाई में बेघरों की संख्या में 87 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बेघर लोगों की तादाद 11,637 हो गई। माउई में लगी आग के कारण 5,200 से अधिक लोग आपातकालीन आश्रयों में रह रहे थे। मैसाचुसेट्स में 53.4 प्रतिशत और न्यूयॉर्क में 53.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। न्यूयॉर्क में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से शरण चाहने वालों की वजह से थी, जो बेघरों का लगभग 88 प्रतिशत थे। एचयूडी सचिव एड्रिएन टॉडमैन ने कहा, किसी भी अमेरिकी को बेघर नहीं होना चाहिए। उन्होंने बेघर होने की समस्या को खत्म करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। कोलोराडो में बेघरों की संख्या 29.6 प्रतिशत बढ़ी और राज्य में 18,715 लोग बेघर थे। कैलिफोर्निया में देश के बेघर लोगों का लगभग चौथाई हिस्सा रहता है। यहां 187,084 लोग बेघर हैं, और यहां 2023 से 3.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि लॉस एंजिल्स में बेघरों की संख्या में केवल 5 प्रतिशत की कमी आई है, इसके बावजूद यहां बेघर लोगों के लिए आवास का संकट बरकरार है।

पाकिस्तानी सेना का दावा, 2024 में मार गिराए 925 आतंकवादी

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने 2024 में पूरे पाकिस्तान में 59,775 ऑपरेशन किए जिनमें 925 आतंकवादी मारे गए और 383 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। यह दावा ऐसे समय में किया गया है कि जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है और दोनों पक्ष सीमा पर सैनिक झड़पों में उलझे हुए हैं।समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और अन्य आतंकवादी समूहों के 73 हाई-वैल्यू वाले टारगेट मारे गए। चौधरी ने कहा, इस साल पिछले पांच वर्षों के मुकाबले सबसे अधिक संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया है।आईएसपीआर प्रमुख ने कहा कि इस साल पाकिस्तान की सेना, कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों और पुलिस की ओर से रोज 179 से अधिक ऑपरेशन किए गए। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों और सीमा सुरक्षा प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

आज किया जाएगा भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण के विवाह का वर्णन

अपने माता पिता गुरुओं को आदर सत्कार अपना धर्म समझ कर करना चाहिए-संत गोविन्द जाने

सीहोर(निप्र)। भक्ति रस का नशा सबसे बड़ा नशा है। जो भक्ति रस में डूब जाता है उसकी नैया खुद ही प्रभु किनारे लगा देते है। अपने माता पिता गुरुओं को आदर सत्कार अपना धर्म समझ कर करना चाहिए। शबरी की कथा भगवान के प्रति भक्ति और प्रेम का एक मानक प्रस्तुत करती है। शबरी ने अपनी प्रतीक्षा के बल पर राम को प्राप्त किया है, वहीं गोपियों ने अपने भक्ति रस से भगवान उस अविनाशी को अपने निकट पाया है। उक्त विचार शहर के सिंधी कालोनी स्थित मैदान पर गोदन सरकार सेवा समिति हनुमान मंदिर सीहोर के तत्वाधान में जारी सात दिवसीय भागवत कथा के पांचवे दिवस संत गोविन्द जाने ने कहे। शनिवार को आसमान पर बादल छाए हुए थे, सुबह हल्की बारिश के बावजूद भी बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण किया। कथा स्थल पर कथा व्यास पंडित राघव मिश्रा और मध्यप्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा भी पहुंचे। संत गोविंद जाने ने अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। आस्था से ओतप्रोत श्रद्धालुओं को भगवान श्री कृष्ण और रामजी के चरित्र का वर्णन करते हुए प्रसिद्ध संत गोविंद जाने ने भगवान राम के नाम के प्रभाव के बारे में बताया कि राम ने तो केवल एक अहिल्या का उद्धार किया पर रामजी के नाम सुमिरन से करोड़ों जीवों का कल्याण हो गया। राम सेतु निर्माण के समय भगवान का नाम लिखने से पत्थर भी तैर जाते हैं। रामजी के भजन के साथ माता, पिता, सास, ससुर की सेवा करें, यही सच्चा पुण्य है। जिसके साथ कोई नहीं होता है, उसके साथ ईश्वर होता है। उन्होंने कहा कि शबरी बनकर बैठों राम अवश्य मिलेगा। शनिवार को भागवत कथा के दौरान संत गोविन्द जाने ने भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण का प्रसंग का वर्णन किया। अधर्म पर धर्म की विजय के लिए श्रीमद् भागवत कथा अमृतवाणी का रसपान कर अपने जीवन को धन्य बनाएं, ऐसा संयोग जीवन में जब भी मिले, उसे हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। श्रीकृष्ण की जीवन लीला जन्म के साथ ही संघर्ष से भरी रही है, लेकिन वह हमेशा मुस्कराते और बंशी बजाते रहते थे। दूसरों को भी समस्याओं को ऐसे ही मुस्कराते हुए सुलझाने की सीख देते थे।

आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा बारहवीं छात्रो के लिए फेयर वेल का आयोजन

सीहोर (निप्र)। आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा बारहवीं क्लास के छात्रो के लिए फेयर वेल का आयोजन आईईएस कैम्पस के सभागार में किया गया। जिसमे वो पल थीम पर आधारित कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और स्कूल के बीच के बंधन को दर्शाया गया। फेयर वेल का शुभारंभ डॉ. सुनीता सिंह, चेयरपर्सन आईईएस पब्लिक स्कूल भोपाल एवं सीहोर द्वारा किया गया। उन्होने छात्रो को अपने कैरियर को उज्जवल बनाने के लिए मार्ग दर्शन दिया साथ ही कहा के आपका जीवन आपकी कहानी है और आपके आगे का रोमांच आपके अपने उद्देश्य और क्षमता को पूरा करने की यात्रा है। आईईएस पब्लिक स्कूल के कक्षा 11 के छात्रों द्वारा खेल, नृत्य, कॉमेडी और हास्य के साथ एक उच्च-ऊर्जा कार्यक्रम पेश किया गया। शानदार रैंप वॉक ने छात्रों को अपनी शैली का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पार्टी के उपरांत आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा छात्रो को मिस्टर ईव अंश जैन, मिस ईव गरुमा त्यागी, मिस्टर डैशिंग कृष्णा संधानी, मिस एलिगेंट परिधि राठौड़, मिस्टर आईईएस सिद्धांत राठौड़, मिस आईईएस रिधिमा मिश्रा आदि टाइटल ने नवाजा गया। समारोह के अंत में प्रोफ (श्रीमति) मनीषा कथ्थेकर, डाइरेक्टर आईईएस पब्लिक स्कूल, भोपाल एवं सीहोर छात्रों को विदाई देते हुए, छात्रो को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

शासकीय माध्यमिक शाला महुआ खेड़ी में स्वेटर वितरण

सीहोर(निप्र)। बालिका तनुजा की स्मृति में शासकीय माध्यमिक शाला महुआ खेड़ी में लगभग 65 छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरण बालिका के माता-पिता प्रभात मालवीय चंदा मालवीय , परिवारजन पारस मालवीय, डॉ. संजय बामनिया द्वारा किया गया। परिवार द्वारा बच्चों को बिस्किट का वितरण किया गया। इसके पूर्व में भी परिवार समय-समय पर बिस्कुट और पेन बच्चों को भेंट करता रहा है। इस अवसर पर जिला परियोजना समन्वयक आर.आर. उइके, विकासखंड अधिकारी दीपा कीर, प्राचार्य आलोक शर्मा, बी आर सी अशोक वर्मा ,गोपाल ठाकुर हरिओम दाऊ ,संतोष जैन संतु, रविंद्र सिंह, अर्जुन ठाकुर , सिद्धू सिंह, भोजराज रघुवंशी,सुरेंद्र मालवीय मौजूद थे। अतिथियों में सर्वप्रथम स्वर्गीय बालिका तनुजा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। तत्पश्चात माता पिता का सम्मान अतिथियों और शाला परिवार ने किया।अतिथियों का स्वागत शाला प्रभारी सतीश त्यागी ,गोवर्धन सिंह ,ईश्वर सीनोरिया ,प्रार्थना गुप्ता, सरिता ठाकुर ने किया। प्रांतीय शिक्षक संघ जिला सीहोर के संजय सक्सेना, प्रदीप नागिया, राजेंद्र परमार, सुरेंद्र यादव ने सेवानिवृत्त गोपाल सिंह ठाकुर का सम्मान भी किया।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान एवं राजस्व महाभियान 3.0 में 26,000 प्रकरणों का किया गया निराकरण

आमजन को हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाने और उनके राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए चलाए जा रहे हैं दोनों अभियान

सीहोर(निप्र)। प्रदेश के साथ ही जिले में भी सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान तथा आमजन के राजस्व संबंधी प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए राजस्व महाअभियान 3.0 चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जिले के गांव-गांव में शिविर लगाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजना का लाभ पाने से वंचित न रहे। इसके साथ ही शिविरों में उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। राजस्व महाभियान 3.0 के तहत आमजन के राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन दोनों अभियानों के तहत आमजन के राजस्व संबंधी एवं अन्य प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें एवं शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से सभी पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए गंभीरता से कार्य करें।

कलेक्टर प्रवीण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान एवं राजस्व महाभियान 3.0 के तहत अभी तक जिले मे कुल 27,548 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें 26,000 आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन के 640, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन के 239, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 238, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन के 79, पीएम स्वनिधि योजना के 2884, किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में 203 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के 353, लाडली लक्ष्मी योजना के 338, जन्म प्रमाण पत्र के 597, मृत्यु प्रमाण पत्र के 236, चालू खसरा खतौनी के 1330, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 495, आयुष्मान भारत योजना के 16475, संबल योजना कर्मकार मंडल के संबंध में 1590 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार अन्य सभी विभागों सहित कुल 27,548 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 26,000 आवेदन निराकृत किए जा चुके हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर जिला कांग्रेस कार्यालय में किये श्रद्धासुमन अर्पित

श्री सिंह को दिया जाये भारत रत्न-राजीव गुजराती

सीहोर(निप्र)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन हो जाने पर सीहोर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक शोक सभा अयोजित कर श्री सिंह के चित्र के सम्मुख सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। शोकसभा की अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस पार्टी जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने श्री मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि श्री सिंह के निधन से देश व कांग्रेस पार्टी ने एक महान व्यक्ति खो दिया है, वह बहुत बड़े अर्थशास्त्री थे, उन्होने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा काम किया था। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) और आधार स्कीम के तहत् उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। उनका जाना कांग्रेस पार्टी और देश की अपूरणीय क्षति हैं। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति की शुरुआत में उनकी भूमिका को दुनिया भर में स्वीकार किया जाता है। उनकी नीतियों ने ही भारतीय अर्थव्यवस्था को उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की दिशा में ले जाने का काम किया। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर आर्थिक सुधारों को मजबूति प्रदान करते हुए उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों और सुधारों को मार्गदर्शन देने का काम किया। इस मौके पर राजीव गुजराती ने श्री मनमोहन सिंह को भारत रत्न दिये जाने का प्रस्ताव रखा और उपस्थित सभी कांग्रेसजनों ने भारत सरकार से भारत रत्न दिये जाने मांग की। विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित पूर्व विधायक व प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र पटेल ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर सुनकर हृदय अत्यंत व्यथित है। देश ने एक ऐसे महान नेता को खो दिया है, जिन्होंने अपनी नीतियों और दूरदर्शिता से भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, निष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव याद किया जाएगा।पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.बलवीर तोमर ने श्री सिंह को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन एक किताब की तरह रहा, जो मौन रहकर बहुत कुछ सिखा जाती है। उनका योगदान हर भारतीय के हृदय में अमिट रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार व प्रियजनों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति दे। कार्यक्रम का संचालन सुनील दुबे ने किया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों में प्रमुख रूप से महेश दयाल चौरसिया, ओमदीप, ओम वर्मा, प्रीतम दयाल चौरसिया, राजाराम बड़े भाई, राजेन्द्र वर्मा, शैलेन्द्र पहलवान, रमेश गुप्ता, सुरेश साबू, सीताराम भारती, ओम बाबा राठौर, डॉ.अनीस खान, निशांत वर्मा, गणेश तिवारी, हरीश आर्य, विवेक राठौर, घनश्याम यादव, आशीष गेहलोत, इरफान लाला, महेन्द्र सिंह उमठ, घनश्याम मीणा नरेन्द्र खंगराले, के.के.रिछारिया, भगत सिंह तोमर, तुलसी राजकुमार राठौर, कमलेश चाण्डक, गुलजारी वाजपेयी, असरफ अली, आसिफ अंसारी, ईश्वर सिंह चौहान, मुकेश ठाकुर, दीपक सोनकर, कपिल गौर, तनिष्क त्यागी, राहुल गोस्वामी, विनोद दुबे, यश यादव, विकास विश्वकर्मा, ब्रजेश पाटीदार, मोहित किंगर, अभिषेक लोधी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

डी बी सी पी एल द्वारा अग्निशमक प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर(निप्र)। आज देवास भोपाल फोर लेन प्रशासन द्वारा टोल प्लाजा पर अग्निशमक प्रशिक्षण नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौड़ के सहयोग एवं नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी अमित सिंह जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। डी बी सी पी एल परियोजना संचालक अजय मिश्रा ने बताया कि, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एम पी आर डी सी) ने विगत दिनों में राजस्थान मे हुवे सड़क हादसे मे लगे वाहन में आग एवं जन हानि की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए एवं इस प्रकार के सड़क हादसे की पुनरावृति के रोक थाम के लिए फोर लेन प्रबन्धन के टोल प्लाजा आप्रेशन एवं सड़क रख रखाव मे कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमक प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया था। जिला सीहोर नगर पालिका के अग्निशमक प्रशिक्षक स्वदेश विश्वकर्मा जी ने उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं सड़क पर कार्य करने वाले वालंटियर को आग के प्रकार, आग से बचाव, आग लगने पर वर्ती जानें वाली सावधानियों, एवं आग लगने पर उपयोग किए जाने वाले अग्निशमक संसाधनों के बारे में प्रशिक्षित किया। इस मौके पर सड़क रख रखाव अधिकारी पियुष सिंह, नितिन अग्रवाल, प्लाजा प्रबंधक वीरेन्द्र सिंह, दिनेश पाटिल, सुरक्षा अधिकारी सचिन सिंह, फायर वाहन चालक आरिफ खान, फायर मैन कैलाश मालवीय, सहायक महेन्द्र यादव सी एस आर प्रबंधक आदि सभी कर्मचारी एवं सम्माननीय उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा का दौरा कार्यक्रम

सीहोर(निप्र)। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा 29 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 01:15 बजे सीहोर स्थित सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां राजस्व मंत्री श्री वर्मा स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात राजस्व मंत्री श्री वर्मा दोपहर 03 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

जिले मे प्रथम बार आयोजित की जा रही है दूधिया रोशनी मे जिला स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता आज

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले मे प्रथम बार दूधिया रोशनी मे जिला स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जो कि आज दिनांक 29 दिसम्बर 2024, रविवार, समय शाम 6 बजे स्थानीय आवासीय खेल कूद संस्थान भोपाल नाका, सीहोर में आयोजित होगी। आनन्द केप्टन व अंकित गुप्ता ने बताया कि इस बॉक्सिंग प्रतियोगिता में इक्छुक खिलाड़ी अपनी अंकसूची, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, लेकर आवासीय खेल कूद परिसर पहुँचकर प्रातियोगिता में भाग ले सक ते हैं। प्रतिभागी के वजन का समय दोपहर 3 बजे तक रखा गया है।

सिटी स्पोर्टस सेंटर ने किया डॉ. कुरैशी का सम्मान

सीहोर(निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर समय-समय पर पर्यावरण, खेलों के उत्थान हेतु सजग रहने वाले और शहर के जाने-माने प्रसिद्ध डॉ. एए कुरैशी का सिटी स्पोर्ट्स सेंटर चर्च ग्राउंड सीहोर पर स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर डॉ. कुरैशी ने कहा कि चर्च मैदान शहरवासियों की ऐतिहासिक धरोहर है, इसके विकास के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने सहयोग किया है। हम लोगों को भी यहां पर पौधारोपण के अलावा अन्य सहयोग करना चाहिए। स्वागत कार्यक्रम के दौरान सिटी स्पोर्ट्स सेंटर चर्च ग्राउंड के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, भारत वारिया, नटवर कुशवाहा, दीपक शर्मा, मनोज दीक्षित मामा, कांशी राम मालवी आदि शामिल थे।

गत दिनों सर्व सम्मति से सिटी स्पोर्ट्स सेंटर चर्च ग्राउंड का अध्यक्ष पद के लिए श्री अग्रवाल को अध्यक्ष मनोनित किया गया था। इस मैदान के कायाकल्प और खेल गतिविधियों को सक्रिय करने के लिए उन्होंने सभी से सहयोग करने की अपील की।

आज खेला जाएगा सीहोर कासा और नीमच के मध्य मैच

नेशनल रैफरी ज्योति गौर का राष्ट्रीय महिला लीग फुटबाल प्रतियोगिता में चयन

सीहोर(निप्र)। शहर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, इनको जब भी मौका मिलता है। खेल प्रतिभा अपने खेल के बल पर आगे आती है। शहर के चर्च मैदान पर मध्यप्रदेश फुटबाल संघ की एक मात्र नेशनल रेफरी ज्योति गौर का चयन भारतीय फुटबाल संघ के तत्वाधान में होने वाली राष्ट्रीय महिला लीग फुटबाल प्रतियोगिता में रेफरशिप के लिए चयन हुआ है। इसके अलावा शहर के चर्च मैदान पर एमपीपीएल फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को कासा क्लब सीहोर और नीमच के मध्य मुकाबला खेला जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने बताया कि ज्योति गौर शहर के चर्च मैदान पर सालों से अभ्यास करती है और मध्यप्रदेश की एक मात्र महिला रैफरी है। इनका चयन राष्ट्रीय महिला लीग फुटबाल प्रतियोगिता में रेफरशिप में होने पर खेल संघों के अलावा फुटबाल खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

30 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी 2025 तक धान उपार्जन स्थगित

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार असमायिक वर्षा के कारण 30, 31 दिसंबर 2024 एवं 01 जनवरी 2025 को धान उपार्जन का कार्य स्थगित कर दिया गया है। इस अवधी मे जिन किसानो द्वारा स्लॉट बुक किया गया है, उनके स्लॉट की वैधता 05 कार्य दिवस बढ़ाई गई है। आगामी 02 जनवरी से नियमित रूप से धान खरीदी का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। धान खरीदी की अंतिम तिथि 23 जनवरी 2025 कर दी गई है।

सर्व ब्राह्मण एकता मंच के तत्वाधान में 12 जनवरी को भव्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन

सीहोर(निप्र)। सर्व ब्राह्मण एकता मंच के तत्वाधान में 12 जनवरी रविवार को मध्यप्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर विप्र समाज के पदाधिकारी घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार कर सम्मेलन में शामिल होने की अपील कर रहे है। सम्मेलन में 500 से अधिक युवक-युवती और उनके परिजन के अलावा बड़ी संख्या में विप्रबंधु शामिल होंगे। आयोजित समारोह में प्रदेश भर के युवक-युवती शामिल होंगे। इसके लिए सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बैठक का आयोजन कर परिचय सम्मेलन की समिति में संयोजक के रूप में अखिल शर्मा, अध्यक्ष राजेश मोहन शर्मा दुध डेरी वाले, कोषाध्यक्ष राजेश तिवारी, सचिव नवनीत उपाध्याय को स्थान दिया गया है। सम्मेलन में समाजजन अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के लिए योग्य वर-वधु की तलाशकर सकते हैं। परिचय सम्मेलन में शामिल होने के लिए इच्छुक युवक-युवती समिति के पदाधिकारियों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

समग्र शिक्षा अभियान (सेकण्डरी एजूकेशन)
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला सीहोर

क्र/4689/समग्र/निविदा/2024-25/ सीहोर दिनांक- 26/12/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीहोर द्वारा समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत जिले के शासकीय विद्यालयों में निम्नानुसार कार्यों के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से आनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की गई है।

क्र	कार्य का विवरण	निविदा क्रमांक	निविदा आरंभ दिनांक	निविदा समाप्ति दिनांक
1	अटल टिंकरिंग लैब	GEM/2024/B/5696201	13.12.24	08.01.25
2	स्मार्ट क्लास	GEM/2024/B/5703453	14.12.24	10.01.25
3	आईसीटी लेब	GEM/2024/B/5660844	09.12.24	07.01.25
4	टेब लैब	GEM/2024/B/5687746	12.12.24	09.01.25

इच्छुक निविदा कार जेम पोर्टल पर आनलाईन निविदाओं में भाग ले सकते है। कार्य का विस्तृत विवरण एवं शर्ते जेम पोर्टल पर देखी जा सकती है।

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला सीहोर

जी/20901/24

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com